तापमान
अधिकतम 28.2 डिग्री
न्यूनतम 13.4 डिग्री

हरिभूमि
रायपुर भूमि
रायपुर, शनिवार 14 दिसंबर 2024

केस 1

वर्ष की शुरुआत में प्रश्नपत्र लीक होने का मामला सामने आया था। परीक्षा के एक दिन पूर्व ही गेस पेपर छात्रों के व्हॉट्सऐप ग्रुप में वायरल होने लगे थे। कई विषयों के पर्चे से पहले यह दौर चला। छात्रों ने बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन किए। विवि ने इस मामले में जांच कमेटी बैठाई। वायरल प्रश्नपत्र को गेस प्रश्नपत्र विवि प्रबंधन द्वारा माना गया।

केस 2

वर्ष मध्य में छात्रों की उत्तरपुस्तिका फेसबुक, व्हॉट्सऐप सहित अन्य सोशल साइट्स पर वायरल हुई थी। इसमें छात्र ने एक प्रश्न के उत्तर में पंजाबी गाने के पूरे बोल लिख दिए थे। उस वक्त छात्रों ने आरोप लगाया कि प्राध्यापक स्वयं उत्तरपुस्तिकाएं नहीं जांचते हैं। उनके द्वारा उत्तरपुस्तिकाएं अपने पीएचडी स्कॉलर्स को जांचने के लिए दी जाती है। छात्रों ने ही उत्तरपुस्तिकाओं की ये फोटो लेकर वायरल की है।

केस 3

गत माह कृषि विवि में प्राध्यापकों की भर्ती हुई। चयन सूची जारी होने के पूर्व ही व्हॉट्सऐप पर एक लिस्ट सर्कुलेट होने लगी। इसे संभावित चयन सूची बताते हुए भर्ती में लेन-देन के आरोप लगाए गए। कुछ दिनों पश्चात अंतिम चयन सूची जारी की गई।

प्रश्नपत्र लीक, वायरल उत्तरपुस्तिका सहित तीन मामले साइबर सेल को, किसी में जांच नहीं, कृषि विवि ने खुद बदला सिस्टम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अलग खबर

साइबर सेल से दुखी कृषि विवि ने स्वतः अपनी व्यवस्था बदल ली है। दरअसल वर्ष 2024 में कृषि विवि में तीन बड़े मामले सामने आए थे। तीनों ही मामले साइबर क्राइम से जुड़े रहे। अपने स्तर पर जांच करने के बाद कृषि विवि ने साइबर सेल में अपनी शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इनमें से एक मामले को 10 माह हो चुके हैं। इसके बाद भी किसी तरह की कोई जांच रिपोर्ट नहीं सौंपी जा सकी है।

कृषि विवि ने इन मामलों में जांच कमेटी बैठायी और अपने स्तर पर कई व्यवस्थाओं में बदलाव ▶▶|शेष पेज 13 पर

साइबर सेल के चक्कर काटते रहे कृषि विवि के अधिकारी, लेकिन कोई नतीजा नहीं

अधिकारियों ने कहा- ट्रेस करना मुश्किल, आप खुद फोन लेकर कराएं जांच

बनाई गई समिति

बार-बार सामने आ रही मामलों को देखते हुए विवि द्वारा एक समिति भी बनाई गई है। इस समिति में विभिन्न विभाग के प्राध्यापकों को शामिल किया गया है। कैंपस, छात्रावास सहित अन्य किसी भी तरह की दिक्कत होने पर छात्र इस कमेटी से संपर्क कर सकेंगे। इस कमेटी का गठन कई माह पूर्व विवि प्रबंधन द्वारा किया जा चुका है। प्रश्नपत्र लीक होने, आपत्तिजनक सामग्री वायरल होने से लेकर अन्य किसी भी तरह शिकायत इस कमेटी में विद्यार्थी कर सकते हैं। सभी मामलों में विवि प्रबंधन का कहना है कि उनके द्वारा शिकायत किए जाने और बार-बार जानकारी मांगे जाने के बाद भी किसी तरह की कोई कार्रवाई अब तक नहीं की गई है। ऐसे में उनके द्वारा स्वतः ही व्यवस्था में बेहतर करने की कोशिश की जा रही है।

खबर संक्षेप

अपहरण का फरार आरोपी सवा साल बाद गिरफ्तार

रायपुर। मंदिर हसौद पुलिस ने अपहरण के मामले में फरार आरोपी को सवा साल बाद गिरफ्तार किया है। घटना विगत 31 अगस्त 2023 की है। आरोपी प्रमोद कुमार निषाद निवासी सिंचाई कालोनी झांकी थाना अभनपुर का रहने वाला है।

आरोपी अपने साथियों के साथ मिलकर प्रार्थी कृष्णा यादव को उसके ग्राम क्षेत्र धमनी से अगवा कर ले गया था। आरोपी उसके भतीजे सागर के बारे में पूछताछ करते हुए जबरन उसे कार में बिठाकर ग्राम खंडवा जिला धमतरी के जंगल में ले गउ और वहां ले जाकर उसे कार से बाहर धक्का देकर फरार हो गए थे। पुलिस ने इस मामले में प्रमोद को गिरफ्तार किया है। पुलिस इस मामले में वली खान ग्राम झांकी अभनपुर एवं सत्यप्रकाश डहरिया उर्फ कुडू को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

घर में धावा, नकदी सहित लाखों के जेवर पार

रायपुर। संजयनगर सतनामीपारा स्थित एक मकान से अज्ञात चोरों ने नकदी सहित सोने-चांदी के जेवरात पार कर दिए। प्रार्थी सलमान मिर्जा निवासी संजयनगर सतनामीपारा ने इसकी रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई है। प्रार्थी ने टिकरापारा थाना में शिकायत की है कि अज्ञात चोर ने उसके घर के ऊपर बने कमरे का ताला तोड़कर प्रवेश किया और दीवान में रखे सोने-चांदी के जेवरात सहित नकदी 1 लाख 25 हजार रुपए पार कर दिए। चोरी गए सामान की कीमत करीब 1 लाख 80 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर टिकरापारा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

सार्वजनिक स्थल पर शराब पीते धरे गए 18 नशेड़ी

रायपुर। राजधानी पुलिस ने सार्वजनिक व खुली जगहों पर शराब पीने वालों के खिलाफ अभियान चलाते हुए 18 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें तेलीबांधा पुलिस ने लभांडी के पास सरेआम शराब पीते आरोपी राकेश साहू, हेमंत पांडे, सुनील जायसवाल व मुकेश जायसवाल, मोवा पुलिस ने मोहन बैरागी व रोहित, पुरानी बस्ती पुलिस ने लक्की शर्मा, मिथिलेश देवांगन व राजेन्द्र कुमार धीवर, खमतराई पुलिस ने भोला भारती, ओम धोनी, मनोहर महिपाल, राजकुमार ध्रुव, नोहर देवांगन, दुलारे धृतलहरे व रजनू जोशी एवं खम्हारडीह पुलिस ने कुशल साहू व देवेन्द्र नगर पुलिस ने गणेश राव को गिरफ्तार किया है।

11 एकड़ में लगी धान की फसल चोरी

रायपुर। नेवरा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बेमता स्थित एक किसान के 11 एकड़ क्षेत्र में लगी धान की फसल चोरी हो गई। प्रार्थिया आशा देवी साहू निवासी ग्राम बेमता ने घटना की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई है। प्रार्थिया ने आरोप लगाया है कि उसके खेत में लगी फसल को गांव में रहने वाला कालीराम साहू ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर चोरी कर लिया। चोरी फसल की कीमत 7 लाख 18 हजार 554 रुपए है। पुलिस ने इस मामले में आरोपियों के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध किया है।

2025-26 में होगा 15 सौ करोड़ का फायदा, पर पुराना 6130 करोड़ घाटा, इसलिए 45 सौ करोड़ की कमी

बिजली से कमाई बढ़ी, पर पुराना घाटा इतना कि आय में हो गई 4560 करोड़ की कमी, लगेगा करंट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

प्रदेश के 65 लाख से ज्यादा बिजली उपभोक्ताओं को नए साल में एक बार फिर महंगी बिजली का झटका लग सकता है। छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी ने बिजली नियामक आयोग को 2025-26 के लिए जो प्रस्ताव भेजा है, उसमें 45 सौ करोड़ की कमी बताते हुए इसकी भरपाई की मांग रखी है। वैसे तो पॉवर कंपनी को नए सत्र में लगभग 15 सौ करोड़ का फायदा होने का अनुमान है, लेकिन पुराने 2023-24 के सत्र का 6130 करोड़ रुपए का अंतर है। इसमें 15 सौ करोड़ घटाने के बाद भी 45 सौ करोड़ की कमी आ रही है। इसको पूरा करने के लिए टैरिफ में इजाफा होगा, लेकिन यह इजाफा कितना होगा, इसको नियामक आयोग तय करेगा।

पॉवर कंपनी हर साल दिसंबर में नियामक आयोग को नए टैरिफ के लिए प्रस्ताव भेजती है। इसमें आमतौर पर पॉवर कंपनी अपनी तरफ से बिजली का टैरिफ कितना बढ़ाना है, इसका कभी भी प्रस्ताव नहीं भेजती है। पॉवर कंपनी सिर्फ अपना लेखा-जोखा भेजती है, इसको देखने के बाद नियामक आयोग तय करता है कि वास्तव में कंपनी को कितने पैसों को जरूरत है और वास्तव में उसका खर्च कितना होगा। इसके बाद जो कमी रहती है उसके हिसाब से टैरिफ में इजाफा होता है।

कमी पूरा करने टैरिफ में होगा इजाफा, तय करेगा नियामक आयोग

लगातार चौथे माह महंगी बिजली का झटका, अब तीन फीसदी और इजाफा

खास बातें

- नए टैरिफ के लिए पॉवर कंपनी हर साल दिसंबर में नियामक आयोग को भेजती है प्रस्ताव
- 65 लाख से ज्यादा उपभोक्ताओं को नए साल में एक बार फिर महंगी बिजली का लग सकता है झटका

यह है लेखा-जोखा

- 240652 करोड़ की बेचेंगे बिजली
- 23082 करोड़ होगा खर्च
- 1570 करोड़ का होगा फायदा
- 6130 करोड़ पुराना घाटा
- 4560 करोड़ की होगी कमी

वर्तमान टैरिफ

- 0-100 यूनिट 3.90 रुपए
- 101-200 यूनिट 4-10 रुपए
- 201-400 यूनिट 5.50 रुपए
- 401-600 यूनिट 6.50 रुपए
- 601 ये ज्यादा यूनिट 8.10 रुपए

पुराने अंतर की राशि ज्यादा

पॉवर कंपनी ने 2025-26 के लिए जो प्रस्ताव भेजा है, उसमें बताया गया है कि पॉवर कंपनी इस सत्र में 24 हजार 652 करोड़ की बिजली बेचेगी। इसके मुकाबले में पॉवर कंपनी का खर्च 23 हजार 82 करोड़ होगा। ऐसे में पॉवर कंपनी को 1570 करोड़ का फायदा होगा। लेकिन 2023-24 में पॉवर कंपनी को अनुमान से 6130 करोड़ रुपए कम पड़े। ऐसे में इस अंतर की राशि में 1570 करोड़ को घटाने के बाद 4560 करोड़ रुपए का अंतर आ रहा है। इस अंतर की राशि के लिए ही टैरिफ बढ़ाने की मांग है। लेकिन आयोग तय करेगा कि वास्तव में पॉवर कंपनी को कितने पैसों की जरूरत होगी। उसके हिसाब से टैरिफ तय होगा।

इस साल बढ़े हैं 20 से 25 पैसे

पॉवर कंपनी ने इस साल जून में 2024-25 सत्र का टैरिफ तय किया था। पॉवर कंपनी ने बीते साल भी नए सत्र में फायदा और पुराना अंतर बताया था। इसको आयोग ने तय किया। इसी के साथ प्रदेश सरकार ने एक हजार करोड़ अपनी तरफ से दिए थे, ऐसे में उपभोक्ताओं को कम झटका लगा है। इस सत्र में लगभग हर वर्ग की बिजली 20 से 25 पैसे यूनिट बढ़ी है। नए सत्र के लिए भी करीब-करीब फिर वैसी ही स्थिति बन रही है। ऐसे में संभावना है कि 10 से 20 पैसे प्रति यूनिट महंगी बिजली का झटका लग सकता है। अगर प्रदेश सरकार ने मदद कर दी तो यह झटका कम भी हो सकता है।

दंपति में विवाद, पति ने फूंका घर, सिलेंडर ब्लास्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

थाना खमतराई क्षेत्र में एक दंपति में जमकर विवाद हो गया। इस दौरान आक्रोशित पति ने घर में आग लगा दी, जिससे घर में रखे गैस सिलेंडर में विस्फोट हो गया। दुर्घटना में पति की मौत हो गई, वहीं सूचना पर पहुंचे दो आरक्षक भी झुलस गए।

- पति की मौत बचाने गए दो आरक्षक समेत पांच झुलसे

जानकारी के मुताबिक, खमतराई क्षेत्र के रामेश्वर नगर निवासी राजा राव एवं उनकी पत्नी संध्या के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद की सूचना के बाद पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंची, इस दौरान राजा राव ने आक्रोश में आकर घर में आग लगा दी। पेट्रोलिंग टीम के आरक्षक विकास सिंह एवं हेमंत गिलहरे उन्हें बचाने के लिए घर में प्रवेश कर गए, इस दौरान संध्या को बचाकर बाहर लाते वक्त घर में रखा गैस सिलेंडर आग की जद में आकर फट गया। इससे दोनों पेट्रोलिंग स्टाफ आरक्षक विकास सिह और हेमंत गिलहरे झुलस गए। बचाव में लगे तीन अन्य नागरिक भी झुलस गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। फायर ब्रिगेड की टीम ने आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग बुझा दी। अंदर जाकर देखने पर राजा राव का शव मिला। पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

उपाध्याय आत्महत्या मामला अब अफसरों के लेंगे बयान

कमिश्नर ने जारी किया नोटिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

तहसील रायपुर के लिपिक प्रदीप उपाध्याय आत्महत्या मामले में जिन अफसरों पर आरोप लगे हैं, उन्हें भी बयान देने के लिए संभाग कमिश्नर कार्यालय बुलाया गया है। इसके लिए कमिश्नर कार्यालय से नोटिस जारी किया गया है। इस आत्महत्या मामले में पुलिस को मृतक का सुसाइड नोट मिला है, जिसमें तीन अफसरों के ▶▶|शेष पेज 13 पर

कर्मचारियों के लिए जा चुके हैं बयान

कमिश्नर महादेव कावरे ने इस मामले की जांच करते हुए तहसील कार्यालय के अधिकारी व कर्मचारियों से बयान ले चुके हैं। इसके लिए उन्हें ▶▶|शेष पेज 13 पर

ठंड का यह दौर लंबा, राजधानी में छूटी कंपकंपी, सरगुजा और दुर्ग में शीतलहर का प्रभाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

दिसंबर के महीने में ठंड का पहला चक्र काफी लंबा खिंचने की संभावना है। राज्य में उत्तर की हवा का सीधा प्रवेश हो रहा है, जिससे तापमान में अच्छी गिरावट आई है। राजधानी में रात के साथ दिन में भी कंपकंपी छूट रही है। वहीं सरगुजा से साथ दुर्ग के कुछ हिस्सों में शीतलहर चल रही है। अब तापमान में बड़ी गिरावट नहीं होगी और ठंड का असर जारी रहेगा।

प्रदेश में पिछले तीन दिनों से ठंड अपना जोरदार असर दिखा रही है। इसे पूर्व काफी दिनों तक 20 डिग्री के तापमान के आदी हो चुके राजधानी के लोगों की 12-13 डिग्री के तापमान में कंपकंपी छूट रही है। पिछले चौबीस घंटे में तापमान में बड़ा परिवर्तन नहीं हुआ है और ठंड का प्रभाव यथावत बना हुआ है। सबसे ज्यादा असर सरगुजा संभाग में हुआ है, जहां मैनपाट सहित अन्य इलाकों में सुबह ओस की बूंदें जमने लगी हैं। सरगुजा संभाग के अधिकतर इलाकों में शीतलहर की स्थिति बनी हुई है। दुर्ग संभाग भी इस मामले में पीछे नहीं है। वहां के कई क्षेत्रों में रात की ▶▶|शेष पेज 13 पर

- उत्तर की हवा का सीधा प्रवेश, तापमान में अभी बड़ा बदलाव नहीं

2018 में ज्यादा ठंड

मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में वर्ष 2018 में पिछले दस साल सबसे ज्यादा ठंड पड़ी है। इसी साल तमाम प्रमुख क्षेत्रों में तापमान सामान्य से कम रिकार्ड किया गया है। रायपुर में इसी साल न्यूनतम तापमान 8.9 डिग्री, बिलासपुर में 7.2, पेंड्रा में 5.5, अंबिकापुर में 4 डिग्री सेल्सियस पहुंचा था। पेंड्रा और अंबिकापुर में वो स्थिति बन गई है, मगर बिलासपुर और रायपुर में काफी अंतर है।

ऐसे चल रहा न्यूनतम तापमान

रायपुर	12.5	-1.9
माना	10.5	-3.0
बिलासपुर	11.0	-2.1
पेंड्रा	6.9	-4.3
अंबिकापुर	6.0	-3.0
जगदलपुर	13.7	+1.8
दुर्ग	9.4	-4.5

ला-नीना सक्रिय

मौसम विशेषज्ञ के मुताबिक भू-मध्य प्रशांत महासागर में ला-नीना सक्रिय है, जिसकी वजह से ठंड अपना प्रभाव दिखा रही है। इसके साथ ही उत्तर-पूर्व मानसून की वजह से आने वाले पश्चिमी विक्षोभ के ब्रेक के बाद तापमान में होने वाली गिरावट बढ़ती ठंड का अनुभव करा रही है। बस्तर में अभी ठंड सामान्य स्थिति में है, मगर उत्तर और मध्य में यह जोरों की ठंड पड़ रही है।

फार्मेसी काउंसिल से डा. गुप्ता की सदस्यता समाप्ति का आदेश वापस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

लगातार तीन बैठकों में नहीं आने का हवाला देकर फार्मेसी काउंसिल से डा. राकेश गुप्ता की मनोनीत सदस्यता समाप्ति का आदेश वापस ले लिया गया है। स्टेट फार्मेसी काउंसिल के रजिस्ट्रार ने शुक्रवार को पत्र जारी कर मेडिकल काउंसिल को इससे अवगत कराया है।

- हाईकोर्ट के निर्देश पर रजिस्ट्रार ने जारी किया पत्र

पिछले दिनों फार्मेसी काउंसिल के रजिस्ट्रार अश्विनी गुर्देकर ने बिना सूचना लगातार तीन बैठकों में शामिल नहीं होने का हवाला देते हुए डॉ. राकेश गुप्ता की सदस्यता निरस्त करने का आदेश जारी किया था। इसके बाद विवाद की स्थिति बन गई थी। डा. गुप्ता ने हवाला दिया था कि वे उनका मनोनयन मेडिकल काउंसिल के सदस्य होने के नाते किया गया है, ▶▶|शेष पेज 13 पर

दुर्भावना पूर्वक कार्रवाई

आदेश जारी होने के बाद डा. राकेश गुप्ता ने रजिस्ट्रार गुर्देकर पर दुर्भावना पूर्वक कार्रवाई का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था काउंसिल में चल रही अनियमितता के मामले में उन्होंने सवाल उठाया था, जिसकी वजह से यह कार्रवाई की गई है। वहीं रजिस्ट्रार अश्वनी गुर्देकर ने कहा था कि उनके खिलाफ उठाया गया कदम तय नियम के अनुसार है।

प्लेटफार्म पर जरूरत होगी, तभी जलेगी लाइट, ऐसा है आटोमेशन सिस्टम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रेलवे स्टेशनों में ऊर्जा बचाने अब नई तकनीक को उपयोग में लाया जा रहा है, जिससे अब बेवजह बिजली की खपत नहीं होगी। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सभी 139 स्टेशनों और कार्यालय भवनों में एलईडी लाइट्स लगाई गई हैं, जिसमें 30-70 प्रतिशत लाइटिंग सिस्टम को ऑटोमेशन के साथ जोड़ा गया है। इसकी खास बात यह है कि यात्री संख्या के अनुसार, 30 प्रतिशत लाइट तब चालू होती हैं, जब प्लेटफॉर्म पर यात्री कम हों और 70 प्रतिशत लाइट यात्री संख्या अधिक होने पर चालू होती हैं। यह सिस्टम बड़े और छोटे दोनों स्टेशनों में लागू किया गया है। ऑटोमेशन से रात 8 से लेकर सुबह 6 बजे तक रेलवे बिजली बचत कर सकेगा। जोन के 7 स्टेशनों पर यह स्वचालित सिस्टम सिग्नल सिस्टम से जोड़ा गया है, जिससे ट्रेन के आगमन और प्रस्थान के अनुसार लाइट्स स्वचालित रूप से चालू बंद होती हैं। ▶▶|शेष पेज 13 पर

राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस आज

- 7 स्टेशनों में ट्रेन के आने पर खुद से प्लेटफार्म में चालू हो जाएगी लाइट
- रेलवे स्टेशनों में अब फिजूल नहीं जलेगी लाइट, प्लेटफार्म में यात्रियों की संख्या अनुसार मिलेगी रोशनी

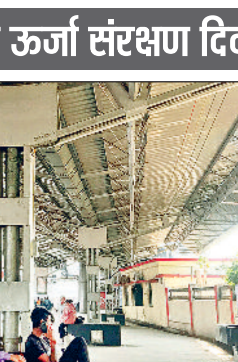

बीएलडीसी पंखों का उपयोग

बीते कुछ वर्षों में रेलवे बिजली की खपत कम करने के लिए स्टेशनों में ब्रशलेस डायरेक्ट करंट पंखों को उपयोग में लाया है। पारंपरिक पंखों की जगह यह बिजली की कम खपत करता है। नवंबर 2024 तक लगभग 2100 बीएलडीसी पंखे लगाए गए हैं। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने 63 भवनों के लिए 'इन्वेस्टमेंट ग्रेड एनर्जी ऑडिट' की पहचान की है, जिससे ऊर्जा खपत के पैटर्न का अध्ययन कर बचत के उपाय किए जाएंगे। सभी सामान्य विद्युत उप-स्टेशनों में स्वचालित पावर फैक्टर नियंत्रक पैनल लगाए गए हैं, जो ऊर्जा संरक्षण का काम कर रही है।

सौर ऊर्जा से प्रतिमाह 72 लाख यूनिट बन रही बिजली

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में भारतीय रेलवे का सबसे बड़ा सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया गया है। इसकी विद्युत उत्पादन क्षमता 50 मेगावाट है। यह संयंत्र 33 किलोवोल्ट्स तक विद्युत उत्पन्न करता है, जिसे 4.8 कि.मी. लंबी ट्रांसमिशन लाइन के माध्यम से पूलिंग सब-स्टेशन तक पहुंचाया जाता है। 33 किलोवोल्ट्स विद्युत को 220 किलोवोल्ट्स में परिवर्तित कर पावर ग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड सब-स्टेशन (कुम्हारी, रायपुर) तक भेजा जाता है। यहां से इस विद्युत को 400 किलोवोल्ट्स तक बढ़ाकर ▶▶|शेष पेज 13 पर

शराब घोटाला में भाटिया, वेलकम और केडिया वाइन डिस्टलरी पर कसेगा शिकंजा, ईडी ने लगाई याचिका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

बहुचर्चित शराब घोटाला केस में अब भाटिया, वेलकम और केडिया वाइन डिस्टलरी भी मुश्किल में पड़ते दिखाई दे रहे हैं, क्योंकि ईडी ने इन तीनों शराब कारोबारियों को आरोपी बनाने के लिए स्पेशल कोर्ट में याचिका लगाई है, जिसे कोर्ट ने स्वीकार किया है। इस याचिका पर अब सुनवाई 20 दिसंबर को होगी।

- इस मामले में तीनों को आरोपी बनाने ईडी ने लगाई है याचिका, सुनवाई 20 को

छत्तीसगढ़ में ढाई हजार करोड़ से अधिक के शराब घोटाला केस में ईडी को भाटिया, वेलकम और केडिया वाइन डिस्टलरी के खिलाफ भी संलिप्त होने के सबूत मिले हैं। इन सबूतों के आधार पर ईडी ने अब इन तीनों शराब कारोबारियों पर शिकंजा कसने के लिए उन्हें आरोपी बनाने ईडी की ▶▶|शेष पेज 13 पर

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

मंत्री केदार बोले- छत्तीसगढ़ में ईको-रेस्टोरेशन पॉलिसी बनाने की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शदन में छत्तीसगढ़ राज्य में ईको-रेस्टोरेशन पॉलिसी तैयार की जा रही है। केरल के बाद यह छत्तीसगढ़ देश का दूसरा राज्य है, जो यह पॉलिसी तैयार कर रहा है। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की यह पहल पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के क्षेत्र में राज्य को नई पहचान दिलाने की दिशा में एक ठोस प्रयास है।

■ केरल के बाद देश का दूसरा राज्य होगा छत्तीसगढ़

भारत की ग्लोबल रेस्टोरेशन इनिशिएटिव, बॉन चैलेंज और संयुक्त राष्ट्र ईको-रेस्टोरेशन दशक में भागीदारी यह स्पष्ट करती है कि एक केंद्रित ईको-रेस्टोरेशन नीति अनिवार्य है। पारंपरिक वनीकरण, जो प्रायः अत्यधिक लागत वाला होता है और गैर-स्थानीय प्रजातियों पर आधारित होता है, सीमित पारिस्थितिक लाभ प्रदान करता है। इसे ध्यान में रखते हुए, सर्वोच्च न्यायालय ने 2021 में अपने निर्देश के तहत एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया, जिसने ईको-रेस्टोरेशन को प्राथमिकता देने की सिफारिश की। जैव विविधता के संरक्षण, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने और सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के साथ समन्वय स्थापित करने के लिए ईको-रेस्टोरेशन अत्यंत आवश्यक है। यह पहल एक अधिक समावेशी और सुदृढ़ पर्यावरणीय भविष्य सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

पॉलिसी का मसौदा बना रहे हैं : राव

प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख व्ही. श्रीनिवास राव ने बताया कि ईको-रेस्टोरेशन पॉलिसी का मसौदा तैयार किया जा रहा है। इस नीति का मुख्य उद्देश्य राज्य के खोए हुए वन क्षेत्रों, आर्द्रभूमियों और अन्य पारिस्थितिक तंत्रों को पुनर्स्थापित करना है। नीति को अधिक प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों, हितधारकों एवं समाज के सभी वर्गों से सुझाव लिए जा रहे हैं। इस पॉलिसी का अंतिम मसौदा जनवरी माह में राज्य सरकार को प्रस्तुत किया जाएगा। छत्तीसगढ़ स्टेट सेंटर फॉर क्लाइमेट चेंज के तत्वाधान में दो राज्य स्तरीय परामर्श कार्यशालाओं का आयोजन किया जा चुका है। इन कार्यशालाओं में भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश के ईको-रिहैबिलिटेशन सेंटर के वैज्ञानिक, वानिकी विशेषज्ञ, भारतीय प्रबंधन संस्थान रायपुर के संकाय सदस्य और छात्र, कृषि, पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी, शोधकर्ता, शैक्षणिक क्षेत्र से जुड़े लोग, एनजीओ और समुदायों के प्रतिनिधि, वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया और अन्य विशेषज्ञों ने अपने सुझाव प्रस्तुत किए। इसके लिए आर्द्रभूमि प्रबंधन, शहरी पारिस्थितिकी संरक्षण, और खनन प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्वास जैसे विशिष्ट मुद्दों पर विशेषज्ञों के सुझाव प्राप्त किए गए। कार्यशालाओं का मुख्य उद्देश्य छत्तीसगढ़ को पारिस्थितिक पुनर्स्थापना के क्षेत्र में एक व्यापक और प्रभावशाली नीति बनाने में सक्षम बनाना है, जो अन्य राज्यों के लिए भी एक उदाहरण बनेगी।

खबर संक्षेप

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा का आकाश विग ने किया स्वागत

रायपुर। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के रायपुर प्रवास के दौरान भाजपा के युवा नेता आकाश विग ने उनका स्वागत किया।

रक्तदान शिविर का आयोजन

रायपुर। शासकीय हीरालाल काव्योपाध्याय महाविद्यालय अभनपुर में बुधवार को कालेज प्रबंधन, खंड चिकित्सा अधिकारी एवं एचडीएफसी के संयुक्त तत्वाधान में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में प्राध्यापक, कर्मचारियों सहित 32 लोगों ने रक्तदान किया। इस दौरान खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर उमेश विश्वास ने कहा कि इसी प्रकार सभी के सहयोग से समय समय पर शिविर आयोजित करते रहेंगे। इस अवसर पर अश्वनी पाण्डेय खंड कार्यक्रम प्रबंधक, मनीषा जाधव, डॉक्टर एस विश्वकर्मा, डॉक्टर नम्रता श्रीवास्तव, वीरेंद्र जांगड़े ने भी कार्यक्रम में भागीदारी निभाई।

ग्रीन आर्मी जोनल बॉडी का शपथ ग्रहण

रायपुर। ग्रीन आर्मी संस्था द्वारा प्रतिवर्षनुसार इस वर्ष भी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य रूप से ग्रीन आर्मी के 15 जोन से जोन प्रभारी, अध्यक्ष, सचिव एवं अन्य सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण के लिए शपथ ग्रहण की। विगत माह जोन पदाधिकारियों के निर्वाचन की प्रक्रिया प्रारंभ की गई थी, विधिवत चयन होने के उपरांत शपथ ग्रहण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शपथ अधिकारी ग्रीन आर्मी संस्थापक अमिताभ दुबे ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। संस्था वर्ष 2025 में कार्य के लिए रोडमैप एवं एजेंडा तैयार कर चुकी है, जिसे नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा पूर्ण किया जाएगा। उक्ताशय की जानकारी संस्था के प्रदेश मीडिया प्रभारी शशिकांत यदु ने दी।

पार्टी को सींचने वाले नेताओं की मूर्तियां देंगी प्रेरणा : जेपी नड्डा

भाजपा नेताओं की मूर्तियों वाले स्मृति मंदिर का जेपी नड्डा ने किया लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में भाजपा ने स्वर्गीय दिग्गज नेताओं की स्मृति में बनाए गए स्मृति मंदिर का शुक्रवार शाम को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने लोकार्पण किया। इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, प्रदेश के सभी मंत्री, भाजपा के प्रदेश प्रभारी नितिन नवीन, प्रदेशाध्यक्ष किरण देव सहित भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता भारी संख्या में उपस्थित थे।

कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में प्रदेश भाजपा संगठन ने अपनी पार्टी के स्वर्गीय दिग्गज नेताओं की स्मृतियों को संजोने के लिए एक स्मृति मंदिर का निर्माण किया है। इसमें कुशाभाऊ ठाकरे, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, अटल बिहारी वाजपेयी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और राज माता सिंधिया की मूर्तियां रखी गई हैं। इसी मंदिर का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर श्री नड्डा ने कहा, जिन नेताओं ने पार्टी को सींचा उनकी मूर्ति यहां लगाई गई है। इस निर्णय के लिए छत्तीसगढ़ी इकाई को मैं बधाई देता हूं। स्मृति मंदिर हमेशा नेताओं और कार्यकर्ताओं को प्रेरित करेगा। मैंने इस कार्यालय की नींव का कार्यक्रम भी देखा है, इसका शुभारंभ भी देखा है।

आज स्मृति मंदिर के लोकार्पण का सौभाग्य भी मुझे मिला है। यहां रात्रि विश्राम करने का मुझे ही सबसे अधिक मौका मिला है। इसी कार्यालय में रहकर हम सभी ने कार्य किया है। यह कार्यालय मॉडर्न सुविधाओं से सुसज्जित है। हमने दो चुनाव इस कार्यालय से लड़े हैं। यही से बैठकर हम मॉनिटरिंग किया करते थे। वीडियो कांफ्रेंसिंग, लाइब्रेरी समेत सभी सुविधाओं से यह कार्यालय लैस है।

गोपाल व्यास के घर भी गए

श्री नड्डा ने दिल्ली लौटने से पहले पूर्व राज्यसभा सांसद स्वर्गीय गोपाल व्यास के निवास पर जाकर उनके परिजनों से मुलाकात की। करीब आधे घंटे तक वे श्री व्यास के निवास पर रहे उनकी धर्मपत्नी सुशीला देवी और पुत्र उमाशंकर व्यास सहित परिवार के अन्य सदस्यों से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं प्रकट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा भी उनके साथ थे। केन्द्रीय मंत्री श्री नड्डा ने श्री व्यास के योगदान को स्मरण किया और उनके सामाजिक एवं राजनीतिक योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा, उनका जीवन समाज और देश सेवा के लिए समर्पित था। उनकी स्मृति हमेशा समाज के लिए प्रेरणा स्रोत बनी रहेगी। इसके बाद श्री नड्डा विशेष विमान से दिल्ली लौट गए। विमानतल पर उनको विदा करने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय उनके मंत्रिमंडल से मंत्री, भाजपा के प्रदेश प्रभारी, प्रदेशाध्यक्ष और प्रदेश के कई पदाधिकारी मौजूद थे।

डीनर में साय, रमन सहित कई नेताओं से चर्चा

श्री नड्डा ने स्मृति मंदिर का लोकार्पण करने के बाद प्रदेश की राजनीति स्थिति और आने वाले समय में होने नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, प्रदेश के डिप्टी सीएम अरुण साव, विजय शर्मा, प्रदेश के कई मंत्रियों, प्रदेश प्रभारी नितिन नवीन, प्रदेशाध्यक्ष किरण देव, संगठन महामंत्री पवन साय के साथ डीनर करते हुए चर्चा की। उन्होंने प्रदेश के कई नेताओं के साथ मुलाकात भी की।

प्रदेशभर में कांग्रेस का प्रदर्शन

बैज बोले-भाजपा ने एक साल में जनता को किया निराश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में जिला, शहर कांग्रेस कमेटी के माध्यम से एक घंटे का सरकार की बदहाली को लेकर पोस्टर प्रदर्शन किया गया, जिसके तहत शहर के मुख्य चौराहों पर कांग्रेसियों ने भाजपा सरकार की विफलताओं को गिनाने का काम किया। कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, भाजपा ने एक साल में छत्तीसगढ़ की जनता को निराश किया है।

दीपक बैज ने कहा, साय सरकार की उपलब्धि के नाम पर पिछली सरकार की योजनाएं बंद करना मात्र है। साय सरकार ने जनता के हित में चलाई जाने वाली योजनओं को दुर्भावनापूर्ण बंद किया। यह सरकार दुर्भावना वाली सरकार है। श्री बैज ने कहा, भाजपा की विष्णुदेव सरकार एक साल में विफल साबित हो गई। राज्य में भ्रष्टाचार और कुशासन का दौर हावी है।

साय सरकार के एक साल में विष्णु का सुशासन तो दूर विष्णु की सरकार कही नहीं दिख रही। कानून व्यवस्था की स्थिति खराब हो गई। एसपी, कलेक्टर कार्यालय जला दिया गया। हत्याओं का नया रिकॉर्ड बन गया। प्रदेश में मॉब लिचिंग शुरू हो गई। महिलाओं के प्रति अपराधों में बढ़ोतरी हो गई। पोटाकेबिन में बच्ची की जलकर मौत, अबोध बच्ची मां बनी, नारायणपुर में मासूम बच्चियों से स्कूल में छेड़खानी हो गई। नक्सली घटनाएं बढ़ गई। सरकार ने एक साल में कोई घोषित नक्सल नीति नहीं बनाई।

नड्डा के कार्यक्रम की कुर्सियां खाली थीं : शुक्ला

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा, साय सरकार की एक साल की उपलब्धि को गिनाने आए जेपी नड्डा को सुनने छत्तीसगढ़ की जनता नहीं आई। पूरी मशीनरी, पूरी ताकत को झोंकने के बाद, सत्ता के अंधाधुंध पैसे का दुरुपयोग करने के बाद भी भारतीय जनता पार्टी इतने लोगों को नहीं जुटा पाई जितने के लिए पंडाल बनाया गया था। श्री शुक्ला ने कहा, यह सरकार की अलोकप्रियता को बताता है कि सरकारी कार्यक्रम फेल हो गया। जनता ने कार्यक्रम का बहिष्कार कर दिया था।

नगर पंचायत का चुनाव लड़ना होगा 75 हजार में, निगम के लिए 5 से 8 लाख तक की लिमिट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में जल्द होने वाले नगरीय निकायों के चुनाव के लिए प्रत्याशियों द्वारा खर्च की जाने वाली राशि की लिमिट तय कर दी गई है। खास बात ये है कि नगर पंचायत के चुनाव के लिए प्रत्याशी को मात्र 75 हजार रुपयों में चुनाव लड़ना होगा, लेकिन नगर पालिका परिषद के चुनाव के लिए सीमा 2 लाख रुपए रखी गई है। नगर पालिका निगम के लिए यह सीमा 5 से 8 लाख रुपए है। अगर किसी निगम क्षेत्र में तीन लाख से कम जनसंख्या है, तो वहां 5 लाख तथा तीन लाख से अधिक जनसंख्या वाले निगमों के लिए 8 लाख रुपए की लिमिट होगी। बताया गया है कि राज्य सरकार ने राज्य निर्वाचन आयोग के परामर्श के बाद यह लिमिट तय की है।

सरकार ने तय की लिमिट, आयोग से ली सलाह

चुनाव की तैयारी तेज, घोषणा जल्द होने की संभावना

चुनाव की तैयारी तेजी पर

राज्य में जल्द होने वाले नगरीय निकायों के चुनाव के लिए हालांकि तारीख अभी घोषित नहीं की गई है, लेकिन राज्य सरकार और राज्य निर्वाचन आयोग के स्तर पर तेजी से तैयारी की जा रही है। इस सिलसिले में सबसे पहले तो आरक्षण की प्रक्रिया तय है। निगमों में मेयर और पालिकाओं में अध्यक्ष पद के लिए आरक्षण संबंधी अधिसूचना जारी कर दी गई है। निकायों के वार्डों में महिलाओं के किस प्रकार आरक्षण दिया जाना है और वार्डों का आरक्षण कैसे होगा, इस संबंध में मार्गदर्शक सिद्धांत जारी कर दिए गए हैं। इसी बीच ये जानकारी भी सामने आई है कि नगरीय निकायों के चुनाव जनवरी में संभावित है। बताया जा रहा है 21 दिसंबर के बाद कभी भी लग सकती है। विधानसभा सत्र समाप्ति के बाद भी यह संभव है। यह भी कहा जा रहा है कि निकायों की निर्वाचित सभाओं की जगह प्रशासक के रूप में अधिकारियों की नियुक्तियां की जा सकती है।

विधायक दल की बैठक में विपक्ष को करारा जवाब देने की बनी भाजपा की रणनीति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

विधानसभा के शीतकालीन सत्र में विपक्ष को करारा जवाब देने की रणनीति भाजपा विधायक दल की बैठक में शुक्रवार रात को बनी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निवास पर हुई बैठक में प्रदेश के दोनों डिप्टी सीएम अरुण साव, विजय शर्मा, सभी मंत्री और विधायक शामिल हुए। इसमें नगरीय निकाय चुनाव को लेकर नगर निगमों में महापौर और नगर पालिकाओं में अध्यक्ष का चुनाव प्रत्यक्ष चुनाव कराने को लेकर कैबिनेट में जो मंजूरी दी गई है, उसका विधेयक भी लाया जाएगा। इसी के साथ अन्य विधेयकों को लेकर रणनीति बनाई गई कि इसको लेकर विपक्ष को किस तरह का जवाब देना है। विधानसभा का शीतकालीन सत्र सोमवार से प्रारंभ हो रहा है। ऐसे में प्रदेश की सत्ताधारी भाजपा के विधायक दल की बैठक सत्र के दो दिन पहले शुक्रवार की रात को हुई। इस बैठक में भाजपा के विधायकों के साथ भाजपा के प्रदेश प्रभारी नितिन नवीन, प्रदेशाध्यक्ष किरण देव, संगठन महामंत्री पवन साय भी शामिल हुए।

विपक्ष के सवालों का जवाब देने हम तैयार : चंद्राकर

भाजपा विधायक दल की बैठक समाप्त होने के बाद पार्टी के प्रवक्ता व विधायक अजय चंद्राकर ने कहा कि विधानसभा सत्र को लेकर बैठक में चर्चा हुई है। विपक्ष के सवालों का जवाब देने के लिए हम बैठे हैं। विपक्ष के काले कारनामों को जनता भूली नहीं है। विष्णुदेव साय की सरकार के एक साल पूरे होने पर बैठक में केक काटकर एक-दूसरे को बधाई दी गई।

हर मुद्दे पर जवाब देने की रणनीति

बैठक में इस बात को लेकर चर्चा की गई कि विपक्ष किन मुद्दों पर सरकार को घेर सकता है। इस समय सबसे बड़ा धान खरीदा का है। धान खरीदी को लेकर विपक्ष लगातार आरोप लगा रहा है। अब इस मुद्दे पर विपक्ष का सदन में सरकार को भी घेरने का इरादा है। ऐसे में विपक्ष के सवालों का करारा जवाब देने की रणनीति बनाई गई।

निकाय चुनाव आरक्षणः आरक्षण के मार्गदर्शी सिद्धांत में बताई गई प्रक्रिया

एससी, एसटी, ओबीसी के आरक्षित वार्डों में से एक तिहाई इन वर्गों की महिलाओं के लिए होंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में जल्द होने वाले नगरीय निकाय चुनाव में इस बार आरक्षण की प्रक्रिया के तहत वार्डों के आरक्षण की प्रक्रिया तय की गई है। अब एसी, एसटी, तथा ओबीसी के लिए आरक्षित वार्डों में से एक तिहाई वार्ड इन वर्ग की महिलाओं के लिए लॉट निकालकर आरक्षित किए जाएंगे। इसमें आरक्षण चक्रानुक्रम के आधार पर होगा।

राज्य सरकार के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने आरक्षण प्रक्रिया के संबंध में राज्य के सभी जिलों के कलेक्टरों को मार्गदर्शी सिद्धांत तैयार कर भेजा। इससे पहले राज्य के कलेक्टरों को उनके जिलों में होने वाले चुनाव के लिए विहित अधिकारी नियुक्त किया था। अब कलेक्टरों को बताया गया है कि किस तरीके से वार्डों में आरक्षण की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। निकाय में अनुसूचित जाति, वार्डों की संख्या का निर्धारण उप नियम 1 के तहत किया जाएगा। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के वार्डों का आरक्षण जनसंख्या पर आधारित है, जबकि पिछड़ा वर्ग प्रवर्ग आरक्षण लॉट पद्धति से किया जाएगा। सबसे पहले अनुसुचित जाति प्रवर्ग के वार्डों का आरक्षण एवं इसके अनुक्रम में अनुसूचित जाति प्रवर्ग में का आरक्षण एवं इसके अनुक्रम में अनुसूचित जनजाति महिला प्रवर्ग का आरक्षण किया जाएगा।

नगरीय प्रशासन विभाग ने कलेक्टरों को भेजा निर्देश

वार्ड में एससी एसटी 50 प्रतिशत तो ओबीसी आरक्षण नहीं

अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के लिए जहां 50 प्रतिशत से कम स्थान आरक्षित किए गए हों वहां यथा संभव निकटतम रूप से कुल वार्डों की संख्या के 50 प्रतिशत की अधिकतम सीमा के अध्याधीन रहते हुए शेष स्थान अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए उनकी जनसंख्या के अनुपात में आरक्षित किए जाएंगे। तथा ऐसे वार्ड लॉट द्वारा आवंटित किए जाएंगे। लेकिन एससी एसटी के लिए कुल आरक्षण 50 प्रतिशत या इससे अधिक हो तो अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए कोई स्थान आरक्षित नहीं होगा।

एक तिहाई वार्ड महिलाओं के लिए

एससी, एसटी तथा अन्य पिछड़ा वर्गों के लिए आरक्षित वार्डों में से एक तिहाई वार्ड यथा स्थिति इन प्रवर्ग की महिलों के लिए लॉट से निकाल कर आरक्षित किए जाएंगे। जिसमें आरक्षण चक्रानुक्रम के आधार पर होगा। एससी,एसटी, ओबीसी के आरक्षण के बाद शेष वार्ड अनारक्षित होंगे। एससी, एसटी तथा ओबीसी वर्ग की महिलाओं के लिए आरक्षित वार्डों की संख्या, कुल वार्डों के एक तिहाई भाग से कम होने पर अनारक्षित प्रवर्ग में से चक्रानुक्रम पद्धति से महिला प्रवर्ग का आरक्षण वार्डों की कुल संख्या के एक तिहाई भाग तक सुनिश्चित किया जाएगा।

चक्रानुक्रम ऐसे होगा तय

नगरीय निकायों के वार्डों के आरक्षण वर्ष 2024 में वार्डों के आरक्षण के दौरान चक्रानुक्रम रीति से आरक्षण की स्थिति निर्मित होने पर वर्ष 2004, 2009, 2014, एवं 2019 में किए गए आरक्षण तो चक्रानुक्रम रीति के लिए आधार माना जाएगा।

अब तक 50 लाख मीट्रिक टन धान की हुई खरीदी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में प्रदेश के किसानों से सुगमता पूर्वक धान की खरीदी की जा रही है। वहीं धान खरीदी व्यवस्था पर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा लगातार मॉनीटरिंग की जा रही है। राज्य में धान 14 नवम्बर से शुरू हुए धान खरीदी का सिलसिला अनवरत रूप से जारी है।

अब तक लगभग 50 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हो चुकी है। धान खरीदी के एवज में 10.61 लाख किसानों को बैंक लिकिंग व्यवस्था के तहत 10771 करोड़ रूपए का भुगतान किया गया है। धान खरीदी का यह अभियान 31 जनवरी 2025 तक चलेगी। धान खरीदी के साथ-साथ मिलर्स द्वारा धान का उठाव भी शुरू कर दिया गया है। धान उठाव के लिए 3.13 लाख मीट्रिक टन धान के लिए डीओ जारी किया गया है, जिसके विरूद्ध 75 हजार मीट्रिक टन धान का उठाव कर लिया गया है।

खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस खरीफ वर्ष के लिए 27.68 लाख किसानों द्वारा पंजीयन कराया गया है। इसमें 1.45 लाख नए किसान शामिल है। इस वर्ष 2739 उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से 160 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी अनुमानित है। 13 दिसम्बर को 78442 किसानों से 3.24 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी की गई है। इसके लिए 93 हजार 160 से अधिक टोकन जारी किए गए थे।

खबर संक्षेप

व्याख्याता संघ ने प्रमुख सचिव पंचायत को सौंपा ज्ञापन

रायपुर। छत्तीसगढ़ व्याख्याता संघ के प्रतिनिधिमंडल ने प्रांताध्यक्ष राकेश शर्मा और महामंत्री सुरेश अवस्थी के नेतृत्व में प्रमुख सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग निहारिका बारिक से मुलाकात कर कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं के निराकरण के लिए ज्ञापन सौंपा। प्राचार्य पदोन्नति के लिए उन्होंने सचिव स्कूल शिक्षा विभाग को कार्यवाही के लिए कहा है। प्रवक्ता जितेंद्र शुक्ला ने बताया कि सरकारी कर्मचारियों की लंबित समस्याओं एवं मांगों की समीक्षात्मक प्रक्रिया आरंभ करने निहारिका बारिक की अध्यक्षता में गठित कमेटी को प्रदेश अध्यक्ष राकेश शर्मा और महामंत्री सुरेश अवस्थी ने स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षकों की समस्याओं के निराकरण के लिए 14 सूत्रीय मांगपत्र सौंपकर निराकरण की मांग की, जिसमें उन्होंने बताया कि स्कूल शिक्षा विभाग में राज्य स्तर पर व्याख्याता, प्राचार्य, उपसंचालक, जिला शिक्षा अधिकारी, संयुक्त संचालक के पदों पर पदोन्नति 8 वर्षों से नहीं होने के कारण प्रभारवाद चल रहा है। प्रदेश के हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूलों में प्राचार्यों के 3500 से अधिक पद रिक्त हैं, 80 प्रतिशत शालाएं प्राचार्य विहीन हैं। मांग पर प्रमुख सचिव श्रीमती बारिक ने स्कूल शिक्षा सचिव को निर्देशित किया कि वे प्राचार्य पदोन्नति डीपीसी के मामलों को देखें और आवश्यक कार्यवाही करें। संघ की 14 सूत्रीय मांगों में नियमित सहायक शिक्षकों को 30 वर्ष सेवा पर 5400 ग्रेड-पे, क्रमोन्नत वेतनमान, सीधी भर्ती के व्याख्याता को 30 वर्ष सेवा के उपरांत 7600 ग्रेड-पे समयमान वेतनमान प्रदान करने, शिक्षकों की सेवानिवृत्ति आयु 65 वर्ष करने, प्राचार्यों की न जांच न मांग प्रमाणपत्र जारी करने का अधिकार संचालक लोक शिक्षण को प्रत्याजोजित करने आदि है।

निधन

गुरमुख सिंह माथारू

रायपुर। फाफाडीह निवासी सरदार गुरमुख सिंह माथारू (90) का 12 दिसंबर को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार देवेंद्र नगर मुक्तिधाम में किया गया। वे जसवीर सिंह, डीपीएस बिलासपुर के प्राचार्य जसपाल सिंह के पिता, जसमीत एवं नवजोत के दादाजी थे।

किशोर अग्रवाल

रायपुर। सिंधु वाटिका, मारुति रेसीडेंसी के सामने अमलीडीह निवासी किशोर अग्रवाल का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार न्यू राजेंद्र नगर मुक्तिधाम में किया गया। वे हरिकिशन, अशोक के भाई एवं अमित व मनमीत के पिता थे।

राकेश मिश्रा

रायपुर। भनपुरी निवासी राकेश मिश्रा का 13 दिसंबर को निधन हो गया। वे राजेश, रूपेश के बड़े भाई एवं रोशन व रवि के पिता थे।

साल के अंतिम दिनों में गोवा टूर... 14 हजार रुपए तक पहुंचा विमान का किराया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

साल की विदाई का जश्न मनाने में बड़ी संख्या में छत्तीसगढ़ के लोगों का गोवा टूर का प्रोग्राम है। सामान्य दिनों में छह से सात हजार रुपए में मिलने वाला फ्लाइट का टिकट अंतिम सप्ताह में 13 से 14 हजार रुपए तक पहुंच गया है। अन्य शहरों की उड़ान के खर्च में इस दौरान ज्यादा बदलाव नहीं हुआ है।

साल की विदाई के दौरान मौज-मस्ती की व्यवस्था लोग अपने-अपने ढंग से करते हैं। ठंड की छुट्टियां मनाने दूर देशों तक नहीं जा पाने वाले लोग आसपास का सैर-सपाटा कर छुट्टियां बिताते हैं।

बड़ी संख्या में सफर का अनुमान, अन्य शहरों के फेयर में बड़ा बदलाव नहीं

नए शहर फिलहाल नहीं

रायपुर से किसी नए शहर के लिए सीधी फ्लाइट संचालन फिलहाल किए जाने की संभावना नहीं है। रायपुर से जिन शहरों के लिए यात्री अधिक है उन्हें के लिए उड़ान संख्या बढ़ाई जा रही है। जनवरी में रायपुर से हैदराबाद के लिए दो उड़ान शुरू की जाएगी। आने वाले दिनों हैदराबाद, झारसुगुड़ा, लखनऊ को जोड़ने नई एयरलाइंस कंपनी द्वारा फ्लाइट प्रारंभ करने की संभावना है।

अंतर्राष्ट्रीय उड़ान का इंतजार

रायपुर से विदेश यात्रा करने वालों को सीधी फ्लाइट की सुविधा देने की योजना पर काम किया जा रहा है। विमानतल में बड़ी फ्लाइट की आवाजाही के लिए लंबा रनवे, बड़ा एटीसी टॉवर सहित अन्य सुविधाएं हैं। यहां किसी फ्लाइट की नाइट लैंडिंग की सुविधा भी मौजूद है। रायपुर से अंतर्राष्ट्रीय उड़ान शुरू करने के लिए शासन स्तर पर प्रयास किया जा रहा है।

ऐसा किराया

26 दिसंबर	11 हजार	29 दिसंबर	14 हजार
27 दिसंबर	13 हजार	30 दिसंबर	12 हजार
28 दिसंबर	14 हजार	31 दिसंबर	11 हजार

साल के अंतिम दिनों में गोवा बड़ा आकर्षण का केंद्र होता है और इस बार भी प्रदेश से बड़ी संख्या में लोग छुट्टियां मनाने वहां जाने की तैयारी में हैं। रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट से गोवा की नियमित फ्लाइट का संचालन होता है।

सामान्य दिनों में इसका किराया 6 से 7 हजार के बीच होता है। अभी किराया सामान्य स्थिति में है, मगर अंतिम सप्ताह का एयर फेयर अभी से दोगुना हो चुका है। 26 दिसंबर से 31 दिसंबर तक रायपुर से गोवा जाने का किराया 11 से 14 हजार के बीच पहुंच चुका है। समय और नजदीक आने के दौरान किराया और बढ़ने की संभावना बनी हुई है।

पुलिस की सख्ती बेअसर इसलिए सभी सर्विस रोड पर अवैध पार्किंग का खेल जारी

सर्विस रोड पर सवारी-भारी वाहनों की पार्किंग हादसों में हर साल सैकड़ों लोग गंवा रहे जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

रायपुर को दूसरे शहरों व राज्यों से जोड़ने के लिए बनवाए गए हाईवे और सर्विस रोड का हाल बेहाल है। सवारी गाड़ियों और भारी वाहनों की पार्किंग इन दिनों धड़ल्ले की जा रही है। इनके पास से आने-जाने वाले दोपहिया चालक आए दिन दुर्घटना का शिकार होते हैं। इसके बाद भी सर्विस रोड खाली करवाने में भारी हीला-हवाला किया जा रहा है। इससे सैकड़ों लोग हर साल दुर्घटना में जान भी गंवा रहे हैं।

राजधानी की सड़कों ही नहीं, बल्कि नेशनल हाईवे के पास बनवाए गए सर्विस रोड पर इन दिनों धड़ल्ले से भारी वाहनों की पार्किंग का खेल चल रहा है। इससे भनपुरी से टाटीबंध, लाभाड़ी से टाटीबंध ही नहीं भनपुरी चौक से बिलासपुर हाइवे पर सिलतरा के बीच सर्विस रोड पर पार्किंग देखने को मिलता है। इन मार्गों पर हजारों ट्रक सर्विस रोड पर खड़े किए जाते हैं। इसका खामियाजा आसपास से आने-जाने वालों को भुगतान पड़ता है। पुलिस रिकार्ड के मुताबिक जनवरी से नवंबर के बीच जहां 1894 सड़क हादसे हुए हैं। इनमें 1385 लोग घायल हुए, तो 524 लोगों को जान गंवानी पड़ी।

इस मार्ग पर रोज होते हैं हादसे

पड़ताल में पाया गया कि भनपुरी से टाटीबंध, भनपुरी से सिलतरा चौक के बीच दोनों तरफ की सर्विस रोड पर दर्जनों गैरेज और होटल हैं। आस-पास भारी वाहनों और सवारी गाड़ियों की पार्किंग की जाती है। इन्हें हटाने के लिए पुलिस महकमें ने अभी तक स्थाई समाधान नहीं किया। नतीजा रोज बाइक चालक दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। इनको बचाव के नाम पर पुलिस सिर्फ जुर्माना करती है। गैरेज व होटल-ढाबा चलाने वालों पर कार्रवाई नहीं होने से लोगों की जहां सुविधा बाधित होती है, वहीं हादसे में जान से हाथ धोना पड़ रहा है।

सर्विस रोड पर 191 दुर्घटना

सूत्रों ने बताया कि जनवरी से नवंबर के बीच 191 सड़क हादसे सिर्फ सर्विस रोड पर हुए हैं। इनमें 73 लोगों की मौत हुई। इसके बाद भी पुलिस महकमा इस बीच 30 हजार वाहनों पर नो-पार्किंग में होने पर जुर्माना की कार्रवाई तक ही सीमित है। वहीं रिंग रोड की सर्विस सड़क की सुध तभी लेते हैं, जब कोई बड़ा हादसा होता है। इसका सबसे ज्यादा फायदा सर्विस रोड तक व्यावसाय करने वाले उठा रहे और आम लोगों की सुविधा बाधित हो रही है। ऐसे गैरेज व होटल संचालकों के व्यावसाय को हटाने के लिए पुलिस सक्षम नहीं है।

एक्सपर्ट व्यू

मुख्य मार्ग या सर्विस रोड पर वाहनों की पार्किंग गैर कानूनी है। गाड़ी खराब होने की स्थिति में भी सिर्फ एक घंटे में हटाने का प्रावधान है। मुख्य मार्ग या सर्विस रोड पर वाहनों की पार्किंग के कारण हादसा या हादसे में मौत की स्थिति में मुआवजे का नियम लागू होता है। अवैध पार्किंग पर 5 से 10 हजार रुपए जुर्माना का प्रावधान है। हादसे में मौत होने से परिवार के लोग ट्रक मालिक पर मुआवजे के लिए क्लेम कर सकते हैं। हाईवे पर खड़े भारी वाहन से दुर्घटना होने पर पीड़ित पक्ष हाईवे अथार्टी को भी पार्टी बना सकते हैं।
- फैजल रिजवी, अधिवक्ता, रायपुर

अवैध पार्किंग पर करते हैं जुर्माना

मुख्य मार्गों, नेशनल हाईवे व इससे सटी सर्विस रोड पर सवारी वाहनों एवं भारी वाहनों की पार्किंग करने वाले 30 हजार से ज्यादा लोगों पर जुर्माना किया गया है। गैरेज व होटल चलाने वालों को भी नोटिस दिया जाता है।
- गुरजीत सिंह, डीएसपी, रायपुर

प्लेसमेंट कर्मचारियों का आंदोलन जारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय प्लेसमेंट कर्मचारियों का अपनी मांगों को लेकर आंदोलन शुक्रवार को भी जारी रहा। नवा रायपुर के तूता में सैकड़ों की संख्या में अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर जमकर नारेबाजी लगाते हुए प्रदर्शन किया।

संघ प्रमुख खेमूलाल निषाद ने बताया कि नगरीय निकाय में कार्यरत प्लेसमेंट कर्मचारी विगत 15-20 वर्षों से कार्य कर रहे हैं, किन्तु उनका वेतन अभी भी बहुत कम है। इसके अतिरिक्त कभी भी समय पर वेतन न मिलता। यहां तक छुट्टी के दिनों में भी काम करना पड़ता है। इसके अलावा भी कई तरह की समस्याओं से उन्हें जुझना पड़ता है। ओवर ड्यूटी टाईम का भी मेहनाता नहीं दिया जाता है। उन्होंने कहा कि जब तक उनकी मांगे मानी नहीं जाएगी, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

17 दिसंबर को विधानसभा का घेराव करेंगे

उन्होंने बताया कि 16 दिसंबर तक अगर उनकी मांगे पूरी नहीं की गई, तो 17 दिसंबर को वे उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। इस आंदोलन के तहत विधानसभा का घेराव किया जाएगा।

नेशनल शूटिंग स्पर्धा के लिए कल से ट्रायल शुरू

रायपुर। दिल्ली एवं भोपाल में आयोजित 67वीं नेशनल चैंपियनशिप के लिए शूटर्स का ट्रायल सेशन छत्तीसगढ़ राइफल एसोसिएशन द्वारा 15 से 18 दिसंबर तक शूटिंग रेंज माना में किया जा रहा है, जिसमें छत्तीसगढ़ के शूटर्स के क्वालीफाई स्कोर के साथ उनका टीम में चयन किया जाएगा। वे सीधे दिल्ली व भोपाल में होने वाली नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में भाग ले सकेंगे। इस ट्रायल टीम का चयन हर साल नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया एनआरएआई को भेजा जाता है। छत्तीसगढ़ राइफल एसोसिएशन द्वारा चार दिवसीय इस ट्रायल में छत्तीसगढ़ के शूटर्स को आगे बढ़ने का मौका तो मिलेगा ही, साथ ही शूटर्स को ट्रायल से अपनी शूटिंग के स्कोर से काम्पीटिशन की बारीकियों को सीखने का भी मौका मिलेगा।

पेज 11 का शेष

प्रश्नपत्र लीक, वायरल...

किया है। उत्तरपुस्तिका वायरल होने के बाद कृषि विवि केंद्रीकृत मूल्यांकन पद्धति अपना रहा है। अर्थात अब प्राध्यापकों को उत्तरपुस्तिकाएं घर ले जाने की अनुमति प्रदान नहीं की जा रही है। इसके स्थान पर प्राध्यापकों को विवि परिसर में बनाए गए मूल्यांकन केंद्र में ही उत्तरपुस्तिकाएं जांचनी होगी। जून-जुलाई में हुई सेमेस्टर परीक्षा में यह व्यवस्था अपनाई जा चुकी है। दिसंबर-जनवरी की सेमेस्टर परीक्षाओं में भी केंद्रीय मूल्यांकन की तैयारियां की जा रही हैं।

उपाध्याय आत्महत्या ...

अलावा कलेक्टर के स्टेनो पर भी उसे प्रताड़ित करने की बात लिखी है। इस सुसाइड नोट के आधार पर ही राज्य सरकार ने इस मामले की जांच के लिए कमिश्नर महादेव कावरे को जिम्मेदारी सौंपी है। हालांकि इस केस में पुलिस की जांच रिपोर्ट आ चुकी है, जिसमें मृतक के मोबाइल के वाट्सएप मैसेज से यह खुलासा हो चुका है कि वह प्रेम प्रसंग में था। संभवतः इससे परेशान होकर उसने आत्महत्या की।

जांच कर शासन को सौंपी जाएगी रिपोर्ट : कमिश्नर की जांच के बाद रिपोर्ट शासन को सौंपी जाएगी। इसके बाद ही शासन इस मामले में कोई निर्णय लेगा। बहरहाल कमिश्नर द्वारा इस मामले की जांच की जारी है।

हैंड राइटिंग की जांच होनी बाकी : इस मामले में जो सुसाइड नोट मिला है, उसकी हैंड राइटिंग की भी जांच होनी है। इस हैंड राइटिंग की जांच के लिए हैंड राइटिंग एक्सपर्ट की मदद ली जाएगी। एक्सपर्ट के जरिए सुसाइड नोट की राइटिंग और मृतक की राइटिंग को मिलान किया जाएगा। इस मिलान के बाद ही सुसाइड नोट को मृतक ने लिखा है या किसी और ने इसकी पुष्टि होगी। हालांकि पुलिस की जांच में जिस तरह से मृतक के वाट्सएप ग्रुप में मैसेज मिले हैं, उसके बाद पुलिस इसे प्रेम प्रसंग का मामला मानकर चल रही है। देखना यह होगा कि कमिश्नर की जांच में इस मामले में क्या निकलकर आता है।

कर्मचारियों के लिए...

भी नोटिस जारी कर बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया गया था। सूत्रों के अनुसार जिस तहसीलदार के यहां मृतक उपाध्याय लिपिक था उस तहसीलदार के अलावा वहां पदस्थ सभी कर्मचारियों के भी बयान लिए गए हैं। इसके अलावा इस मामले में लिपिक के परिजनों को भी बयान के लिए बुलाया गया है।

प्लेटफार्म पर जरूरत...

आमतौर पर छोटे स्टेशनों में रात के समय पर यात्री नहीं होते। ऐसे स्टेशनों में यह सिस्टम काफी बिजली बचाने में काम आ रहा है।

सौर ऊर्जा से प्रतिमाह...

इसे ट्रैक्शन में उपयोग के लिए पावर ग्रिड लाइन से जोड़ा गया है, जिसे अन्य ज़ोनल रेलवे में भी ऊर्जा खपत में इस्तेमाल किया जाता है। 50 मेगावाट क्षमता वाले संयंत्र से प्रतिमाह 72 लाख यूनिट विद्युत उत्पन्न हो रही है तथा इसके माध्यम से हर महीने 5936 टन कार्बन के उत्सर्जन में कमी आई है।

फार्मेसी काउंसिल से...

इसलिए उनकी सदस्यता समाप्त करने के लिए मेडिकल काउंसिल से अनुमति लेना आवश्यक है। साथ ही इस पर फैसला फार्मेसी काउंसिल के अन्य सदस्यों की सहमति के बाद लिया जा सकता है। उन्होंने फार्मेसी काउंसिल के इस आदेश के खिलाफ उच्च न्यायालय में याचिका लगाई गई थी। इस पर सुनवाई के बाद अदालत की ओर से उनकी सदस्यता बहाल रखने का आदेश जारी किया गया था। हाईकोर्ट के फैसले की कॉपी मिलने के बाद शुक्रवार को रजिस्ट्रार द्वारा छत्तीसगढ़ मेडिकल काउंसिल के अध्यक्ष को पत्र में माध्यम से सूचना भेजी गई है कि उनकी मनोनीत सदस्यता समाप्त करने संबंधी जारी आदेश को निरस्त किया गया है।

ठंड का यह दौर...

ठंडी हवा कड़ाके की ठंड का अहसास करा रही है। पिछले चौबीस घंटे में ठंड के प्रभाव में बड़ा बदलाव नहीं हुआ है और आने वाले चार-पांच दिनों तक यह दौर जारी रहने की संभावना है।

शराब घोटाला में...

स्पेशल कोर्ट में याचिका लगाई है। कोर्ट ने इस याचिका को स्वीकार किया है, जिस पर सुनवाई के लिए 20 दिसंबर की तारीख तय की है। विदित हो कि छत्तीसगढ़ में ढाई हजार करोड़ से भी अधिक का शराब घोटाला हुआ है। इसमें अनवर ढेबर, रिटायर्ड आईएएस अनिल टुटेजा, छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड के पूर्व एमडी अरुणपति त्रिपाठी, तत्कालीन आबकारी आयुक्त निरंजन दास, प्रिज्म होलोग्राफी कंपनी के डायरेक्टर विधु गुप्ता, प्रिज्म होलोग्राफी कंपनी के अकाउंटेंट सुनील दत्त और प्रिज्म होलोग्राफी सेक्योरिटी फ़िल्म्स प्राइवेट लिमिटेड के स्टेट हेड दिलीप पांडे को आरोपी बनाया गया है। इसमें नकली होलोग्राम मामले का आरोप है।

कोयला-कस्टम मिलिंग घोटाला मामले में हुई सुनवाई : कोयला और कस्टम मिलिंग घोटाला मामले की ईडी के स्पेशल कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई हुई। इस दौरान कोयला घोटाले में जेल भेजे गए सभी आरोपियों और कस्टम मिलिंग घोटाले में जेल भेजे गए मार्कफेड के पूर्व एमडी मनोज सोनी और राइस मिल एसोसिएशन के तत्कालीन कोषाध्यक्ष रोशन चंद्राकर की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सुनवाई हुई। इस दौरान न्यायालय ने सभी को 25 जनवरी तक के लिए रिमांड पेशी बढ़ाने का फैसला सुनाया।

पेड़-पौधों के बगैर जीवन की कामना दुर्लभ : पं. शास्त्री

रायपुर। श्रीमद भागवत ज्ञान सप्ताह ज्ञानयज्ञ महा महोत्सव में षष्ठम दिवस की कथा भाग में आचार्य पं. झम्मन शास्त्री महाराज ने रुक्मिणी विवाह के मंगलमय प्रसंग श्रद्धालुओं को सुनाते हुए कहा, पेड़ों के बगैर जीवन की कामना दुर्लभ है। जीवन संभव ही नहीं। विदेश में नदियां, पर्वत, पेड़-पौधे को केवल उपभोग की वस्तु ही माना जाता है, जबकि भारत देश में नदी और पेड़ों की पूजा होती है। देश में हो रही वृक्षों की अंधाधुंध कटाई से वायुमंडल एवं प्रकृति को कष्ट होता है। इसी प्रकार यह कार्य होता रहा तो विनाश संभव है। हजारों साल पहले ही पता चला कि मानव जाति का अस्तित्व तब तक है। जब तक नदियां, गोमाता है। बच्चे कोई भी त्योहार हो, यदि एक पेड़ रोपने का मन बना लिया जाए तो 135, 140 करोड़ आबादी वाले इस देश में अरबों-खरबों की संख्या में पेड़-पौधे लगाए जा सकते हैं। शास्त्रीजी महाराज ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण से हम यह सीख सकते हैं कि प्रकृति से कैसे प्रेम किया जाए और भगवान श्री कृष्ण यही संदेश देते हैं कि प्रकृति से प्रेम करें। पूजा भी आवश्यक है।

// आम सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार वेदनारायण साहू पिता गिरधारी साहू, निवासी- स्कूल पारा, कचना, तहसील व जिला रायपुर छत्तीसगढ़ ने विक्रेता विपिन बिहारी पिता सुखराम के स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि जो कि मौजा भैसमुडा, प.ह.न.- 00001, रा.नि.मं. रायपुर-15 धरसींवा, तहसील धरसींवा जिला रायपुर छ.ग. के स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि जिसका खसरा नंबर- क्रमशः- 72, रकबा 0.1620 हेक्टेयर, खसरा नंबर- 73/1 रकबा 0.2430 हेक्टेयर, खसरा नंबर- 74 रकबा 0.2470 हेक्टेयर एवं खसरा नंबर-142 रकबा 0.1940 हेक्टेयर कुल खसरा 04 कुल रकबा 0.8460 हेक्टेयर को क्रय करने का पक्का सौदा तय कर बयाना की राशि अदा कर दिया है, ताकि शेष संव्यवहार एवं पंजीयन/ रजिस्ट्री की कार्यवाही बांकी है। अतः उक्त सम्पत्ति के स्वत्व, आधिपत्य एवं अंतरण के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, सरकारी व गैर सरकारी संस्था, साहूकार, बैंक, निगम आदि किसी को भी यदि कोई आपत्ति, उजर, दावा आदि हो तो इस सूचना प्रकाशन से 07 दिनों (सात दिनों) के अंदर मय दस्तावेतजों के नीचे लिखे पते पर मेरे समक्ष लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा निर्धारित अवधि के पश्चात मेरा पक्षकार उक्त सम्पत्ति के विक्रय पत्र का पंजीयन अपने पक्ष में करवा लेगा, निर्धारित अवधि के पश्चात की आपत्ति शून्य व नाजायज समझी जावेगी एवं मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नही होगी। अतः सूचना जाने।
स्थान- रायपुर छ.ग.
दिनांक- 13/12/2024
भवदीय
आनंद यादव, लकेश्वर चन्द्राकर
अधिवक्तागण
पता- रूम नंबर-109, टेबल नंबर-17-18 प्रथम तल, नई बिल्डिंग सिविल कोर्ट, रायपुर तहसील व जिला- रायपुर छ.ग., मो.नं.- 9827895454

-: आम सूचना :-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि विशेष आवासीय योजना अंतर्गत ग्राम सेरीखेड़ी रायपुर में आवासीय भूखण्ड क्रमांक - 66 सुश्री निधि राजपूत पिता श्री अनंत सिंह के नाम पर स्ववित्तीय आधार पर आबंटित है। मेरा विवाह श्री नवीन कुमार शर्मा के साथ दिनांक 11.07.2024 को होने के कारण मेरा नाम श्रीमति निधि शर्मा पति श्री नवीन कुमार शर्मा हो गया है। आवेदिका द्वारा आधार कार्ड एवं शपथ पत्र प्रस्तुत कर अभिलेख में अंकित करने की अनुरोध किया गया है।

अतः उक्त भूखण्ड को श्रीमति निधि शर्मा पति श्री नवीन कुमार शर्मा के नाम पर दर्ज करने में किसी भी व्यक्ति, बैंक/ शासकीय/ अर्द्ध शासकीय संस्था इत्यादि को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज प्रस्तुत करें अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा।
संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राज.परि.
नवा रायपुर अटल नगर

रायपुर विकास प्राधिकरण रायपुर (छ.ग.)
"उद्घोषणा"
क्रमांक 15484/ रा.शा./ रा.वि.प्रा. /2024 रायपुर, दिनांक 20/11/2024

प्राधिकरण की नगर विकास योजना क्रमांक-04 कौशल्या माता विहार (कमल विहार) सेक्टर-01 योजनांतर्गत शिवानी साहू पिता श्री कृष्ण कुमार साहू को भूखंड क्रमांक F-22 रकबा 60 वर्गमीटर आबंटित है। आबंटिती शिवानी साहू पिता श्री कृष्ण कुमार साहू द्वारा दिनांक 29.10.2024 को श्री राज कुमार सिंह कवर पिता श्री घसिया सिंह कवर को विक्रय कर दिया है। क्रेता द्वारा बैनामा की फोटो प्रति प्रस्तुत करते हुए प्राधिकरण नामांतरण हेतु आवेदन किया है।

उक्त भूखंड का नामांतरण श्री राज कुमार सिंह कवर पिता श्री घसिया सिंह कवर के नाम से करने पर यदि किसी को कोई आपत्ति / दावा होवें तो इस उदघोषणा प्रकाशन की तिथि से 15 दिनों के भीतर प्राधिकरण के राजस्व कक्ष में अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति/ दावा प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि तक कोई आपत्ति/ दावा प्रस्तुत नही होने पर शासन के प्रचलित नियमों के अनुसार नामांतरण की कार्यवाही संपादित करा दी जावेगी। जिसके बाद कोई आपत्ति/ दावा ग्राहय नही होगा ।
दिनांक 12/12/2024 को जारी ।
राजस्व अधिकारी (तहसीलदार)
रायपुर विकास प्राधिकरण रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार रायपुर
मामले की श्रेणी: राजस्व
संदर्भः जिला रायपुर तहसील-रायपुर प.ह.न.- 00062 रायपुर ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक- RD202425440722600081

// ईश्तहार //

तहसील रायपुर के प.ह.न. 00062 के अंतर्गत ग्राम रायपुर के वर्तमान भूमिस्वामी दिलीप पिता/पति-व० लखनलाल धनगर पता- सा० हथवासा पंडरिया के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 1597/3 (0.0160) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता ललिता धनगर पिता/पति-स्व. दिलीप धनगर पता-प्रोफ़ेसर कालोनी रायपुर, अखिलेश धनगर पिता/पति-स्व दिलीप धनगर पता-प्रोफ़ेसर कालोनी रायपुर के नाम पर पंजीयन/फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 03/01/2025 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय तहसीलदार रायपुर पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 11/12/2024 को जारी किया जाता है।
मुहर तहसीलदारः Pawan kosma
तहसील रायपुर

// आम सूचना //

एतद् द्वारा सर्वसाधारण एवं आम जनता को यह सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार यशवंत कुमार यादव पिता श्री जोगीलाल यादव निवासी-391, वार्ड नं. 52, चन्द्रशेखर आजाद वार्ड, चौरसिया कॉलोनी, मठपुरैना, रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. के द्वारा विक्रेता श्रीमती क्षमता देवी, पति श्री राज कुमार गुप्ता निवासी वार्ड नं. 54, शाश्वत नगर, बोरियाखुर्द, रायपुर, तहसील व जिला रायपुर छ.ग. वाले के स्वामित्व व आधिपत्य की कृषि भूमि जो कि वाके मौजा- ग्राम- काठाडीह, प.ह.नं. 00083, रा.नि.मं.- रायपुर- 18- कांदुल, रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) है जिसका खसरा नं. 101/9, रकबा 0.0075 हेक्ट. अर्थात 18X45 = 810 वर्गफुट भूमि स्थित है, उक्त सम्पत्ति को क्रय करने का पक्का सौदा तय कर दी गई है बयाना राशि का भुगतान किया जा चुका है एवं विक्रय पंजीयन की कार्यवाही किया जाना शेष है। अतः उपरोक्त सौदे एवं संव्यवहार के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक, निगम, शासकीय व अशासकीय विभाग या अन्य किसी को कोई उजर, दावा या आपत्ति हो अथवा उक्त सम्पत्ति या उसके किसी भी भाग पर किसी प्रकार का स्वत्व, हक, अधिकार या भार हो तो वे इस आम सूचना प्रकाशन के दिनांक से 7 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति लिखित में सुसंगत दस्तावेजो के साथ मेरे समक्ष प्रस्तुत करें एवं आम सूचना का खंडन किसी भी दैनिक समाचार पत्र में स्वीकार नही किया जायेगा। यह कि उक्त समयवधि के अवसान पश्चात मेरे पक्षकार के द्वारा उक्त वर्णित सम्पत्ति के विक्रय विलेख का निष्पादन व पंजीयन अपने पक्ष में करा लिया जावेगा तत्पश्चात प्रस्तुत की गई किसी भी प्रकार की उजर, दावा एवं आपत्ति आदि असत्य झूठा एवं सारहीन माना जावेगा तथा ऐसा आपत्ति मेरे पक्षकार के ऊपर मान्य एवं बंधनकारी नही होगा । सो सूचना जाने ।
स्थान- रायपुर छ.ग.
दिनांक 13/12/2024
(गीतेश कुमार बैस) अधिवक्ता
साहू काम्पलेक्स, टिकरापारा, रायपुर छ.ग.
मो. नं. 98274-62029, 97532-25650

// आम सूचना //

एतद् द्वारा सर्वसाधारण एवं आम जनता को यह सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार यशवंत कुमार यादव पिता श्री जोगीलाल यादव निवासी-391, वार्ड नं. 52, चन्द्रशेखर आजाद वार्ड, चौरसिया कॉलोनी, मठपुरैना, रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. के द्वारा विक्रेता नेहा साहू, पिता श्री मनराखनलाल साहू, निवासी रिंग रोड नं. 01, शंकर मार्बल के पास, छत्तीसगढ़ नगर, रायपुर, तहसील व जिला रायपुर छ.ग. वाले के स्वामित्व व आधिपत्य की कृषि भूमि जो कि वाके मौजा- ग्राम- काठाडीह, प.ह.नं. 00083, रा.नि.मं.- रायपुर-18- कांदुल, रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) है जिसका खसरा नं. 101/14, रकबा 0.0101 हेक्ट. अर्थात 1089 वर्गफुट भूमि स्थित है, उक्त सम्पत्ति को क्रय करने का पक्का सौदा तय कर दी गई है बयाना राशि का भुगतान किया जा चुका है एवं विक्रय पंजीयन की कार्यवाही किया जाना शेष है।

अतः उपरोक्त सौदे एवं संव्यवहार के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक, निगम, शासकीय व अशासकीय विभाग या अन्य किसी को कोई उजर, दावा या आपत्ति हो अथवा उक्त सम्पत्ति या उसके किसी भी भाग पर किसी प्रकार का स्वत्व, हक, अधिकार या भार हो तो वे इस आम सूचना प्रकाशन के दिनांक से 7 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति लिखित में सुसंगत दस्तावेजो के साथ मेरे समक्ष प्रस्तुत करें एवं आम सूचना का खंडन किसी भी दैनिक समाचार पत्र में स्वीकार नही किया जायेगा। यह कि उक्त समयवधि के अवसान पश्चात मेरे पक्षकार के द्वारा उक्त वर्णित सम्पत्ति के विक्रय विलेख का निष्पादन व पंजीयन अपने पक्ष में करा लिया जावेगा तत्पश्चात प्रस्तुत की गई किसी भी प्रकार की उजर, दावा एवं आपत्ति आदि असत्य झूठा एवं सारहीन माना जावेगा तथा ऐसा आपत्ति मेरे पक्षकार के ऊपर मान्य एवं बंधुनकारी नही होगा। सो सूचना जाने ।
स्थान- रायपुर छ.ग.
दिनांक- 13/12/2024
(गीतेश कुमार बैस) अधिवक्ता
साहू काम्पलेक्स, टिकरापारा, रायपुर छ.ग.
मो. नं. 98274-62029, 97532-25650

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा विक्रेतागण - मीनाक्षी, गीता, पुष्पा, हेमलता और धर्मेन्द्र कुमारी सभी पिता श्री स्वामी प्रसाद राठौर निवासी ग्राम-धरसीवा तहसील व जिला रायपुर, छ.ग. से उनके स्वामित्व एवं आधिपत्य की आवासीय कृषि भूमि खसरा नंबर- 409/1 रकबा 0.0200 हे. अर्थात 5 डिसिमिल जो कि हाईवे से लगकर स्थित है, वाके मौजा- धरसीवा, प.ह.नं.- 00028, रा.नि.मं.- रायपुर-15-धरसीवा, तहसील धरसीवा जिला रायपुर, छ.ग. है, को क्रय करने का सौदा पक्का किया गया है। विक्रय विलेख का निष्पादन एवं पंजीयन कराया जाना शेष है।

उपरोक्त खरीदी बिक्री के संबंध में किसी भी व्यक्ति संस्था, बैंक, साहूकार, बोर्ड, निगम अथवा प्राधिकरण को किसी प्रकार का दावा, उजर अथवा आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति इस आम सूचना प्रकाशन के 10 दिनों के भीतर मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा बाद मियाद मेरा पक्षकार उपरोक्त संपत्ति का विक्रय पत्र अपने पक्ष में निष्पादित एवं पंजीकृत करवा लेगा और तत्पश्चात प्रस्तुत किसी भी प्रकार के दावा / आपत्ति मान्य नहीं होगी। अतः सूचना जाने।
रायपुर, छ.ग.
दिनांक : 13/12/2024
भवदीय
जी. अहमद, अधिवक्ता
40/833, लालगंगा शॉपिंग मॉल के पीछे जी. ई. रोड, रायपुर, छ.ग.
मो.नं.- 98930 44770

फॉर्म संख्या INC 26
[[कंपनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम 30 के अनुसार]
कंपनी के पंजीकृत कार्यालय को एक राज्य से दूसरे राज्य में बदलने के लिए समाचार पत्र में प्रकाशित किया जाने वाला विज्ञापन केंद्र सरकार, उत्तरी पश्चिमी क्षेत्र के समक्ष कंपनी अधिनियम, 2013, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 (4) और कंपनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम
(30)(5)(ए) के
मामले
में और कल्याणी इस्पात लिमिटेड के मामले में जिसका पंजीकृत कार्यालय हाउस नंबर- 117, बिल्डिंग नंबर-एन-18, प्रथम तल, सेक्टर-2, एसबीआई एटीएम के पास, अवंति विहार, रायपुर, छत्तीसगढ़ - 492001 में है।
......याचिकाकर्ता

आम जनता को सूचित किया जाता है कि कंपनी 19.11.2024 को आयोजित वार्षिक आम बैठक/असाधारण आम बैठक में पारित विशेष प्रस्ताव के अनुसार कंपनी के एसोसिएशन के ज्ञापन में परिवर्तन की पुष्टि के लिए कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 13 के तहत केंद्र सरकार को आवेदन करने का प्रस्ताव करती है ताकि कंपनी अपने पंजीकृत कार्यालय को "**छत्तीसगढ़ राज्य**" से "**पश्चिम बंगाल राज्य**" में परिवर्तित कर सके।

कोई भी व्यक्ति जिसका हित कंपनी के पंजीकृत कार्यालय के प्रस्तावित परिवर्तन से प्रभावित होने की संभावना है, वह निवेशक शिकायत फॉर्म भरकर एमसीए पोर्टल (www.mca.gov.in) पर जमा कर सकता है या अपने हितों की प्रकृति और विरोध के आधार बताते हुए एक हलफनामे के साथ अपनी आपत्तियों को पंजीकृत डाक से क्षेत्रीय निदेशक को इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से चौदह दिनों के भीतर आरओसी भवन, रूपल पार्क सोसाइटी के सामने, अंकुर बस स्टॉप के पीछे, नारनपुरा, अहमदाबाद- 380013 गुजरात के पते पर आवेदक कंपनी की एक प्रति के साथ ऊपर उल्लिखित पते पर अपने पंजीकृत कार्यालय में जमा करवा सकता है।
आवेदक की ओर से
ब्रज किशोर झा
निदेशक
स्थानः- मकान नं. 117 बिल्डिंग नं. एन-18, प्रथम तल, सेक्टर-2,
एसबीआई एटीएम के पास, अवंति विहार, रायपुर, छत्तीसगढ़ 492001
तारीख :- 14/12/2024

Health Town
राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र
न्यूरो-पंचकर्मा चिकित्सा केन्द्र, रायपुर मो. 9039050422, 91794 55561
डॉ. के.बी. श्रीनिवास राव
INTL Ayurvedic Consultant
राज्य अलंकरण अवार्ड से सम्मानित
• स्लीप डिस्क, आर्थराइटिस • Back Pain, सायटिका • जोड़ो में दर्द, मांसपेशियों में दर्द
• जकड़न (Stiffness) व नशों का दबना • टेंडन एवं लिगामेंट इंजरी • सर दर्द, पॅरालिसीस • स्पांडिलाइटिस • गठिया रोग
अशोक विहार, स्ट्रीट नंबर 5, सरस्वती दाल मिल के सामने, मंडी गेट के सामने, पंडरी रायपुर। मनसा चैम्बर्स, कल्याण हॉस्पिटल के पीछे, बिलासपुर रोड, फाफाडीह रायपुर।
विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771- 4242213, 7987119756, 9303508130

किस्तों में जारी नहीं होंगे टाइम-टेबल, सीएसवीटीयू ने 3 बार बदली डेटशीट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खास खबर

प्रदेश के इंजीनियरिंग छात्रों के लिए अब से नई व्यवस्था की जा रही है। उनके लिए प्रत्येक सेमेस्टर में पृथक-पृथक रूप से समय-सारिणी जारी किए जाने के स्थान पर एकमुश्त शैक्षणिक कलैंडर जारी किया जाएगा।

इंजीनियरिंग के स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों ही पाठ्यक्रम में परीक्षाएं सेमेस्टर आधार पर होती हैं। इसके लिए समय-सारिणी सेमेस्टर परीक्षाओं से लगभग माहभर पूर्व जारी किए जाते हैं, लेकिन अब शैक्षणिक सत्र शुरू होते ही पूरे वर्ष होने वाली परीक्षाओं की सूचना विद्यार्थियों को दे दी जाएगी। स्वामी विवेकानंद तकनीकी विवि में मौजूदा शैक्षणिक सत्र से ही यह व्यवस्था लागू की जा रही है।

इससे संबद्ध सभी महाविद्यालयों के छात्रों को यह सुविधा मिलेगी। हालांकि इसमें कई तरह की तकनीकी दिक्कतें भी हैं। उदाहरणस्वरूप कई प्रतियोगी परीक्षाओं की तिथि राष्ट्रीय एजेंसी अथवा राज्य एजेंसी द्वारा कुछ माह पूर्व ही जारी की जाती हैं। वर्षभर पूर्व से कैलेंडर घोषित किए जाने पर तिथियों में टकराव संभावित है। ऐसे में विवि को पुनः समय-सारिणी बदलनी पड़ सकती हैं।

- स्वामी विवेकानंद तकनीकी विवि में बदली गई है व्यवस्था
- अंतिम सेमेस्टर के विद्यार्थियों को अब नहीं होना होगा परेशान

इसलिए फैसला

अंतिम सेमेस्टर पूर्ण करने पश्चात विद्यार्थी आगे की पढ़ाई अथवा नौकरी के लिए आवेदन करते हैं। सामान्यतः इंजीनियरिंग महाविद्यालयों में प्लेसमेंट की प्रक्रिया अंतिम अर्थात आठवें सेमेस्टर से पूर्व सातवें सेमेस्टर में ही प्रारंभ हो जाती है। शेड्यूल की जानकारी नहीं होने के कारण विद्यार्थियों को कई स्तर पर समस्या का सामना करना पड़ता है। इसके अतिरिक्त अंतिम सेमेस्टर में विद्यार्थियों को इंटर्नशिप सहित कई अन्य गतिविधियों में भी शामिल होना पड़ता है। छात्रों को इन सबमें सामन्जस्य बैठाने में दिक्कत ना हो, इसलिए पूरे सत्र का कैलेंडर एक साथ जारी किया जा रहा है।

छात्र हुए हलाकान

सीएसवीटीयू ने भले ही यह नई व्यवस्था छात्रों की सुविधा के लिए की हो, लेकिन फिलहाल विद्यार्थी इससे परेशान हो गए हैं। दरअसल तकनीकी विवि द्वारा कई बार इसमें संशोधन किया जा चुका है। अब तक तीन बार परीक्षा तिथि बदली जा चुकी है। कुछ दिनों के अंतराल में बार-बार परीक्षा तिथि जारी किए जाने के कारण महाविद्यालय भी परीक्षा संबंधित तैयारियां नहीं कर पा रहे हैं। विवि से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, वार्षिक कैलेंडर पहली बार बनाया जा रहा है। सुधार संबंधित सुझाव आने अथवा किसी तरह की त्रुटि महाविद्यालय अथवा छात्रों द्वारा सज्ञान में लाए जाने के बाद इसमें सुधार कर रहे हैं। इसलिए बार-बार समय-सारिणी जारी करनी पड़ रही है।

खबर संक्षेप

बौने बंधु समाज कल्याण संघ ने सीएम साय से की भेंट

रायपुर। बौने बंधु समाज कल्याण संघ के मुख्य संरक्षक सच्चिदानंद उपासने, संयोजक अरविंद शुक्ल के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात की। इस दौरान उन्हें भगवान वामन देव की तस्वीर उन्हें भेंट दी। प्रतिनिधिमंडल ने सीएम श्री साय से बौने बंधुओं सहित 14 प्रकार के अन्य शामिल किए गए दिव्यांगजनों, वृद्धजनों, अशक्तों को दी जा रही सामाजिक सुरक्षा की सहायता राशि बढ़ाकर प्रतिमाह एक हजार रुपए किए जाने की मांग की। इस दौरान आलोक श्रीवास्तव, बसंत तारक, संतोष शर्मा, मनीष खुंटे, कुलेश्वर साहू आदि उपस्थित रहे।

गोंड समाज का परिचय सम्मेलन कल

रायपुर। गोंड समाज कल्याण समिति के तत्वावधान में विवाहयोग्य युवाओं का परिचय सम्मेलन टिकरापारा स्थित गोंडवाना भवन में रविवार को आयोजित है। समिति के सचिव सेवाराम ध्रुव ने विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि समाज के युवक-युवतियों के लिए परिचय सम्मेलन रखा गया है, जहां वे अपने मनपसंद जीवनसाथी की तलाश पूरी कर सकेंगे। इसके लिए पूरी तैयारी हो चुकी है। कार्यक्रम रविवार सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक होगा। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पंजीकरण की व्यवस्था की गई थी।

पेंशनर्स दिवस का स्थापना दिवस 17 को

रायपुर। छत्तीसगढ़ पेंशनर्स समाज का 40वां स्थापना दिवस 17 दिसंबर को वृंदावन हॉल सिविल लाइंस में आयोजित है। इस संबंध में प्रांताध्यक्ष चेतन भारती ने विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि वर्ष 1984 से पेंशनर्स दिवस मनाया जा रहा है। यह 40वां पेंशनर्स दिवस है।

प्रदेश देवांगन समाज की नई कार्यकारिणी ने ली शपथ

रायपुर। नवगठित प्रदेश देवांगन समाज छत्तीसगढ़ के नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ. ओमप्रकाश देवांगन एवं उनकी कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह गुरुवार को दोपहर 1 बजे पचपेड़ीनाका स्थित मॉल में हुआ। कुलदेवी माता परमेश्वरी की पूजा-अर्चना के साथ शुभारंभ के बाद नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष डॉ. ओमप्रकाश देवांगन और उनकी कार्यकारिणी को वरिष्ठ संरक्षक कुंजलाल देवांगन ने शपथ दिलाई। डॉ. ओमप्रकाश देवांगन को प्रदेश अध्यक्ष, परस देवांगन को महासचिव एवं कोषाध्यक्ष वेदलाल देवांगन समेत कार्यकारिणी को शपथ दिलाई गई। समाज के सीजी पीएससी में चयनीत युवाओं शिवम देवांगन दुर्ग, डिगेश्वर देवांगन, नरेंद्र देवांगन, लकेश्वर देवांगन, सुमित देवांगन, प्रतीक देवांगन, योगेश देवांगन, अजय देवांगन, श्वेता देवांगन, धनेश्वर देवांगन का शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया।

भाठागांव स्थित चारागाह की 63 एकड़ जमीन के मामले में लीपापोती की आशंका

ऑनलाइन रिकार्ड से चारागाह हटाकर कृषि भूमि दर्ज, वंशावलियों के मांगे जा रहे नाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि सरोकार

राजधानी रायपुर के भाठागांव स्थित चारागाह की 63 एकड़ जमीन के दस्तावेजों में हेराफेरी कर बिल्डर को बेचे जाने के मामले में लीपापोती किए जाने की आशंका बनी हुई है, क्योंकि जमीन को बिल्डर के कब्जे से छुड़ाकर वापस किसानों के नाम पर वापस चढ़ाने करने के लिए जो प्रक्रिया तहसील कार्यालय अपना रहा है, उससे इस मामले में बड़ा पेंच फंसने के आसार हैं।

यह मामला क्षेत्र के तहसीलदार की जगह अब एसडीएम रायपुर देख रहे हैं। भाठागांव के ग्रामीणों ने बताया कि तहसीलदार ने पहले उन्हें आश्वासन दिया था कि जितने किसानों के नाम पर यह जमीन थी, उन सभी के नाम पुनः जोड़े जाएंगे, लेकिन अब एसडीएम द्वारा यह कहा जा रहा है कि रिकार्ड में पूर्व में दर्ज किसानों के वंशावलियों के नाम जोड़े जाएंगे। इसके लिए आवेदन के साथ उन्हें शपथपत्र पेश करना होगा।

कछुए गति से जारी जांच-सुनवाई

63 एकड़ जमीन के मामले की जांच एसडीएम रायपुर द्वारा की जा रही है। इस मामले में एसडीएम कोर्ट में केस भी लगा हुआ है। सूत्रों के अनुसार इस केस पर सुनवाई पिछले 6 महीने में सिर्फ एक-दो बार ही हो पाई है, जिसके कारण यह मामला अब ठंडे बस्ते में जाते दिखाई दे रहा है, जबकि इस मामले को लेकर पूरा गांव आंदोलन कर चुका है। इस आंदोलन के दौरान गांव में एक दिन व्यापार भी बंद था। ग्रामीणों ने जमीन को बिल्डर के कब्जे से मुक्त कराकर ऑनलाइन रिकार्ड में वापस चारागाह की जमीन दर्ज कर हटाए गए सभी किसानों के नाम वापस जोड़ने जाने की मांग की गई थी। ग्रामीणों के इस आंदोलन के बाद भी इस मामले की जांच व सुनवाई धीमी गति से की जा रही है।

तहसीलदार-पटवारी की साठगांठ भी उजागर

जिस तरह से जमीन के रिकार्ड में हेराफेरी की गई है, उससे यह साबित होता है कि इसके पीछे तहसीलदार और पटवारी का भी हाथ है, क्योंकि इन दोनों के बिना जमीन के रिकार्ड को बदला जाना मुमकिन नहीं है। हालांकि तहसील में सिर्फ इसी मामले की जांच व सुनवाई की जा रही है कि चारागाह की जमीन कितने किसानों के नाम पर दर्ज थी तथा रिकार्ड में कैसे उन किसानों या उनके वंशावलियों के नाम वापस दर्ज किए जाएं। इस मामले में अब तक संबंधित पटवारी और तहसीलदार से कोई पूछताछ नहीं की गई है कि आखिर रिकार्ड कैसे बदल गए।

फाइल फोटो

अरबों की जमीन का 6 करोड़ में सौदा

स्वामी आत्मानंद बिन्नी बाई सोनकर स्कूल से लगी 63 एकड़ जमीन का सौदा करीब 6 करोड़ में हुआ था, जबकि जमीन की वास्तविक कीमत 3 से 4 अरब बताई जा रही है।

जांच-सुनवाई की जा रही

इस मामले की जांच की जा रही है। कोर्ट में केस लगा हुआ है, जिस पर एक-दो सुनवाई हो चुकी है। जांच व सुनवाई पूरी होने तक इस मामले में कुछ भी बता नहीं पाऊंगा।

- नंदकुमार चौबे, एसडीएम रायपुर

4 किसानों ने दस्तावेजों में हेराफेरी कर कराई थी जमीन अपने नाम

भाठागांव की 63 एकड़ चारागाह की जमीन 173 किसानों के नाम पर दर्ज थी। जमीन के रिकार्ड में सबसे ऊपर चार किसानों के नाम दर्ज थे, वहीं अन्य किसानों के नाम वगैरा करके दर्ज किए गए थे। जिन चार किसानों के नाम ऊपर दर्ज थे, उन सभी ने पैसों के लालच में आकर जमीन के रिकार्ड (दस्तावेजों) में हेराफेरी कर जमीन को अपने नाम पर करा ली थी। इसके बाद सभी ने जमीन का सौदा एक बिल्डर से किया था, जिसके बदले बिल्डर को जमीन की पावर ऑफ अटॉर्नी दी थी। इधर पावर ऑफ अटॉर्नी मिलते ही बिल्डर ने इस जमीन पर काम शुरू कर दिया था, जिसकी जानकारी मिलने के बाद से पूरा गांव इसके विरोध में है।

दो किसान करा चुके हैं रजिस्ट्री निरस्त

ग्रामीणों के अनुसार जमीन के रिकार्ड में हेराफेरी करने वाले चार किसानों में दो किसानों ने अपने नाम की रजिस्ट्री को पंजीयन कार्यालय से निरस्त करा चुके है। वे दोनों भी जमीन को वापस चारागाह में शामिल कराने गांव का साथ दे रहे है, जबकि अन्य 2 किसानों ने अब तक रजिस्ट्री निरस्त नहीं कराई है।

40 किसानों की वंशावली रिकार्ड ढूंढे जा चुके

कीर्तन साहू सहित गांव के अन्य लोगों ने बताया कि अब तक करीब 40 किसानों के वंशावली रिकार्ड ढूंढ लिए गए हैं, जिसके आधार पर उनके वंशजों के शपथ-पत्र बनवाए जा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जैसे-जैसे वंशावली के रिकार्ड मिल रहे हैं, वैसे-वैसे शपथ पत्र भी बनाए जाएंगे। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि जमीन में पूर्व में जिन किसानों के नाम दर्ज थे, उनमें ज्यादातर किसानों की मृत्यु हो चुकी है, वहीं कई गांव छोड़कर दूसरे स्थानों पर चले गए है। इसके कारण उनके परिवार वालों का पता लगाने में दिक्कत आ रही है। ऐसी स्थिति में सभी किसानों के वंशावलियों का नाम जोड़ना आसान नहीं होगा।

पहली बार कुलपति पद के उम्मीदवार देंगे प्रेजेंटेशन, बताएंगे अब तक क्या-क्या किया?

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

उद्यानिकी विवि को दिसंबर अंत तक नया कुलपति मिल सकता है, लेकिन इस बार कुलपति पद के दावेदारों को कठिन प्रक्रिया से गुजरना होगा। अंतिम साक्षात्कार और नाम चयन के पूर्व उन्हें प्रेजेंटेशन देना होगा। इसके लिए कुलपति पद के दावेदारों को खत भी लिखा गया है। प्रस्तुतिकरण की तिथि और समय का जिक्र नहीं किया गया है। उम्मीदवारों से कहा गया है कि इसके लिए उन्हें पृथक रूप से खत जारी किया जाएगा, जिसमें समय और तिथि के विषय में बताया जाएगा। उन्हें प्रस्तुतिकरण में बताना होगा कि अब तक अपने अकादमिक कार्यकाल के दौरान उनके द्वारा क्या-क्या कार्य किए गए हैं। इसके अलावा कुलपति के रूप में विश्वविद्यालय को लेकर अपने विजन भी उन्हें साझा करने होंगे। कुलपतियों द्वारा दी जाने वाली प्रस्तुति के बाद तीन नामों को शॉर्टलिस्ट किया जाएगा। इन नामों को पैनल के समक्ष भेजा जाएगा। पैनल इनमें से किसी एक नाम पर अंतिम मुहर लगाएगी। गौरतलब है कि कुलपति चयन के लिए गठित कमेटी को 6 सप्ताह का समय दिया गया था। इनमें से 4 सप्ताह गुजर चुके हैं। ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कि आने वाले 2 सप्ताह में शेष प्रक्रिया पूर्ण कर कुलपति के नाम की घोषणा कर दी जाएगी।

- दिसंबर अंत तक मिल सकता है विवि को नया कुलपति

18 आवेदनों में से 3 बाहर के

उद्यानिकी विवि में कुलपति पद के लिए 18 आवेदन प्राप्त हुए थे। इनमें से 3 नाम छत्तीसगढ़ से बाहर के विश्वविद्यालयों में कार्यरत प्राध्यापकों के थे। जबकि शेष 15 नाम छग के स्थानीय निवासियों से प्राप्त हुए थे। आवेदनकर्ताओं में से अधिकतर कृषि विवि के प्राध्यापक हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कुलपति की रेस में इंदिरा गांधी कृषि विवि के प्रभारी कुलपति रह चुके प्रो.सेंगर सहित राजेंद्र लाखपाल, प्रो.श्रीवास्तव, अनिल दीक्षित, अजय वर्मा, प्रो.टूटेजा सहित अन्य कई नाम शामिल हैं।

विवाद के बाद हटाए गए थे पूर्व कुलपति

महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.रामशंकर कुरील को असिस्टेंट प्रोफेसरों की भर्ती में अनियमितता के आरोप में हटाया गया था। इसके बाद रायपुर संभाग के कमिश्नर डॉ.संजय अलंग को प्रभारी कुलपति बनाया गया। बीते सात माह से यहां कुलपति का पद रिक्त है। गौरतलब है कि उद्यानिकी विवि में लगभग तीन दर्जन सहायक प्राध्यापकों की भर्ती की गई थी। यूजीसी के नियमों की अनदेखी कर कम योग्यता वाले उम्मीदवारों का चयन कर लिया गया था, जबकि योग्य उम्मीदवार चयन से वंचित रह गए थे। इसके बाद जांच बैठायी गई थी।

प्राकृतिक आपदा में डूबने से जिले में सबसे ज्यादा मौतें, आंकड़े भी चिंताजनक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर जिले में प्राकृतिक आपदा में सबसे ज्यादा मौतें पानी में डूबने से हो रही हैं। पिछले करीब 6 वर्षों में नदी, तालाब, नहर, कुंआ, खदान आदि में डूबने से चार सौ से अधिक लोगों की मौत हुई। इस तरह हर साल औसतन 50 से अधिक लोगों की डूबने से आकस्मिक मृत्यु होती है।

प्राकृतिक आपदा में आगजनी से मृत्यु का आंकड़ा दूसरे नंबर पर है। आगजनी व सर्पदंश से भी हर साल औसतन 20 से 25 लोगों की जान जाती है। इसके अलावा बिच्छूदंश, आकाशीय बिजली गिरने, भारी बारिश होने से पेड़ व मकान गिरने, खदान धसकने जैसी आपदा से भी लोगों की आकस्मिक मृत्यु हो रही है। हालांकि डूबने, आगजनी एवं सर्पदंश से होने वाली मृत्यु की तुलना में इनकी संख्या बहुत कम है। आपदा में मृत्यु होने पर मृतकों के परिजनों को आरबीसी 6-4 के तहत 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि दी जाती है। इस राशि से मृतक के परिजनों को अपनी आर्थिक स्थिति सुधारने में बड़ी मदद मिलती है।

11 माह में बांटी गई राशि

कलेक्टर गौरव सिंह प्राकृतिक आपदा में मृतकों के परिजनों के प्रति सहानुभूति रखते हुए संबंधित विभागों को निर्देश दिए है कि इन प्रकरणों में प्रक्रिया के तहत कार्यवाही जल्द से जल्द करें, ताकि मृतकों के परिजनों को जल्द से जल्द सहायता राशि दी जा सके। कलेक्टर के निर्देश पर पिछले 11 महीने के दौरान 191 प्रकरणों में सहायता राशि को स्वीकृति देकर वितरित की गई है।

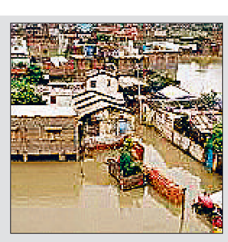

- डूबने से हर साल 50 से अधिक मौत
- दूसरे नंबर पर आगजनी व सर्पदंश से 20-25 हो रही मौतें

सहायता राशि से आर्थिक स्थिति को मिलेगी मजबूती

आरबीसी 6-4 के तहत दी जाने वाली सहायता राशि से मृतकों के परिजनों को अपने परिवार की आर्थिक सुधारने में बड़ी मदद मिलती है, क्योंकि आपदा में जिन लोगों की जानें गई है, उनमें ऐसे कई मृतक थे जिनकी कमाई से ही उनके परिवार का जीवन-यापन निर्भय था। ऐसे में उनकी मृत्यु से परिवार में आय का साधन भी बंद हो गया था। इस सहायता राशि से मृतक के परिवार अब कोई व्यवसाय या अन्य किसी काम में यह राशि लगा पाएंगे, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूती मिलेगी।

188 प्रकरणों में बांटी गई 7 करोड़ 45 लाख रुपए की सहायता राशि

कलेक्टर गौरव सिंह ने राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत जिले में प्राकृतिक आपदा में मृत्यु होने पर 191 प्रकरणों में सहायता राशि की स्वीकृति देते हुए 7 करोड़ 52 लाख रुपए की राशि मृतकों के परिजनों को बांटी गई है। इन प्रकरणों में आधे से ज्यादा प्रकरण वर्ष 2022 से लेकर 2024 के बीच है, वहीं कुछ-कुछ प्रकरण वर्ष 2014, 2015, 2016, 2018, 2019 एवं 2020 के भी है जो लंबित पड़े थे। कलेक्टर ने सालों से लंबित पड़े इन प्रकरणों में भी मृतकों के परिजनों को सहायता राशि दिलाकर उन्हें बड़ी राहत दी हैं।

सोसायटी में जगह नहीं, गोठान में खरीद रहे धान

रायपुर। सहकारी समिति प्रबंधक अनेक समस्याओं के बावजूद धान खरीदने मजबूर हैं। धान का बफर स्टॉक डबल से भी ज्यादा हो गया है, लेकिन समिति के कर्मचारी, अधिकारियों के दबाव में खरीदी कर रहे हैं। अधिक तौल की शिकायत अभी भी जारी है। सूखत एवं अन्य खर्च सभी अब समितियों की जिम्मेदारी हो गई है, जिसके कारण किसानों से अधिक धान की तौलाई की जा रही है। जिला कांग्रेस ग्रामीण के अध्यक्ष उधोराम वर्मा ने बताया कि किसानों का धान 40 किलो के स्थान पर 42 किलो तक लिया जा रहा है पूरे खरीदी केंद्रों में धान का भारी स्टॉक होने और जगह के अभाव में गोठान में धान खरीदने मजबूर हुआ। सभी जगह बफर स्टॉक से डबल से भी ज्यादा धान का स्टॉक हो गया है, लेकिन धान का उठाव नहीं हो रहा है। सभी समिति प्रबंधक मजबूर होकर खरीदी कर रहे हैं।

आईवीएफ ट्रीटमेंट से शिशु जन्म कराने के नाम पर दो निजी अस्पतालों ने की महिला से लाखों की ठगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग में एक अनोखा प्रकरण आया है, जिसमें एक महिला ने दो निजी अस्पतालों पर आरोप लगाया है कि आईवीएफ ट्रीटमेंट से शिशु जन्म कराने के नाम पर उससे 15 लाख रुपए की ठगी की गई है। इस मामले में आयोग ने दोनों पक्षों की बातें सुनने के बाद निजी अस्पतालों और आवेदिका दोनों को पुख्ता सबूत और दस्तावेज लेकर आगामी सुनवाई में बुलाया है। आयोग इस प्रकरण में पूर्व में भी 2 से 3 बार सुनवाई कर चुका है। इसे देखते हुए आयोग अब आगामी सुनवाई में फैसला सुनाते हुए अंतिम आदेश जारी करेगा।

आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक, सदस्य सरला कोसरिया, लक्ष्मी वर्मा, ओजस्वी मंडावी एवं दीपिका शोरी ने शुक्रवार को रायपुर स्थित कार्यालय में महिला उत्पीड़न से संबंधित प्रकरणों पर सुनवाई की। इस दौरान पूर्व में सुनवाई हो चुके एक प्रकरण में सुनवाई की गई। इस प्रकरण में एक महिला ने रायपुर में संचालित दो निजी अस्पतालों के प्रबंधकों पर आरोप लगाया है कि उसे बच्चा नहीं हो रहा था। इसके लिए उसने आईवीएफ ट्रीटमेंट से बच्चा जन्म देने के लिए इन दोनों अस्पताल के प्रमुख डाक्टरों से मिली। दोनों अस्पताल के डाक्टरों ने उन्हें भरोसा दिलाया था कि इस ट्रीटमेंट से उसे बच्चा का सुख जल्द ही मिल जाएगा। महिला ने आयोग को बताया कि वर्ष 2020 में दोनों डाक्टरों के कहने पर 11 भ्रूण प्रत्यारोपण कराया था, जिसमें से 4 भ्रूण प्रत्यारोपण करने के बाद नष्ट हो गए, वहीं 7 भ्रूण सुरक्षित हैं। भ्रूण प्रत्यारोपण व उसे सुरक्षित रखने के लिए महिला डाक्टरों को अब तक 15 लाख रुपए का भुगतान भी कर चुकी है। इसके बाद भी उसे यह तक जानकारी नहीं दी जा रही है कि शेष भ्रूण सुरक्षित हैं या नहीं। इधर इस मामले में आयोग का मानना है कि भ्रूण प्रत्यारोपण करने के लिए पति की सहमति की आड़ पर भ्रूण प्रत्यारोपित नहीं करा रही है, जो उपभोक्ता कानून के तहत क्षतिपूर्ति का मामला प्रतीत होता है। इसमें दोनों अस्पताल के डाक्टरों को आवेदिका को डोनर एक्ट के माध्यम से भ्रूण निर्माण व संरक्षण के सपने दिखाकर इसकी आड़ में लाखों रुपए खर्च कराया है।

आयोग ने आवेदिका को निर्देश दिया कि वह डाक्टरों को फीस के रूप में कितनी राशि, कब-कब भुगतान किया है, उसके दस्तावेज लेकर आए। आयोग ने डाक्टरों को भी शेष भ्रूण सुरक्षित हैं या नहीं इसके सबूत लेकर आए, ताकि इस मामले में वह फैसला सुना सके। इस तरह आगामी सुनवाई में आयोग इस मामले में अंतिम निर्णय लेगा।

- कोविड काल में दोनों अस्पतालों में महिला का किया गया था भ्रूण प्रत्यारोपण
- महिला आयोग ने की प्रकरण में सुनवाई

आवश्यकता हैं

हरिभूमि

बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के लिये आवेदन आमंत्रित है
स्वयं का वाहन आवश्यक
रिपोर्टर, प्रसार प्रतिनिधि - 2
योग्यता - 12वीं से स्नातक, अनुभवी को प्राथमिकता
संपूर्ण बायोडाटा
Resume Email या Whatsapp करें
Cir.haribhoomi@gmail.com
8370049468, 8224035555

हरिभूमि कार्यालय
पुजारी पार्क के सामने, टिकरापारा, रायपुर

जिला ब्यूरो कार्यालय
भाटापारा रोड, बस स्टैण्ड बलौदाबाजार (छ.ग.)

बिजनेस साइट

बैंक ऑफ इंडिया का 'समझौता कार्निवल' 16 को

BOI Relationship beyond banking

रायपुर। बैंक ऑफ इंडिया 16 से 21 दिसंबर तक देशभर में अपनी सभी शाखाओं, अंचलों और एफजीएमओ में एकमुश्त समझौता (ओटीएस) के तहत एनपीए ऋण खातों का निपटान करने के लिए एक विशेष 'समझौता कार्निवल' का आयोजन कर रहा है।

यह आयोजन विशेष रूप से उन उधारकर्ताओं के लिए किया जा रहा है, जिन्होंने किसी व्यवसाय, चिकित्सा स्थिति या किसी अन्य वास्तविक कारण के चलते समय पर अपने ऋण का भुगतान नहीं किया। इस दौरान, बैंक छोटे और मध्यम आकार के खातों के निपटान के लिए विशेष ओटीएस योजनाएं प्रदान करेगा, जिनके तहत उधारकर्ताओं को आकर्षक छूट मिल सकेगी। बैंक ने अपील की है कि सभी एनपीए उधारकर्ता इस अवसर का लाभ उठाएं और अपने ऋण खातों का निपटान करें।

- एनपीए उधारकर्ताओं के लिए विशेष अवसर

रायपुर सहित देशभर के 136 शहरों में सीटेट आज

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा का आयोजन आज किया जाएगा। यह एग्जाम देश के 136 शहरों में आयोजित किया जाएगा, जिसमें रायपुर भी शामिल है। परीक्षा के लिए एडमिट कार्ड पहले ही रिलीज किए जा चुके हैं। स्टूडेंट्स को एडमिट कार्ड पर दिए गए समय के अनुसार दोनों शिफ्ट में समय से दो घंटे पहले सेंटर पर रिपोर्ट करना होगा। पहले पेपर के लिए कैंडिडेट्स सुबह 7: 30 बजे और दूसरे पेपर के लिए अभ्यर्थियों को 12 बजे सेंटर पर रिपोर्ट करना होगा। निर्धारित समय पर नहीं पहुंचने वाले उम्मीदवारों को सेंटर पर प्रवेश नहीं दिया जाएगा। कड़कड़ाती सर्दी में कैंडिडेट्स को पहुंचना होगा। गौरतलब है कि केंद्रीय शिक्षक पात्रता उत्तीर्ण करने के पश्चात उम्मीदवारों को विद्यालय में अध्यापन की पात्रता मिलती है।

- पहले पेपर के लिए सुबह 7 :30 बजे और दूसरे पेपर के लिए 12 बजे करना होगा रिपोर्ट

होगी स्क्रीनिंग

परीक्षा हॉल में प्रवेश करने से पहले उम्मीदवारों को उचित स्क्रीनिंग और तलाशी प्रक्रिया में सेंटर पर सहयोग करना होगा। परीक्षा केंद्र के अंदर किसी भी तरह के गैजेट, इलेक्ट्रानिक डिवाइस, जैसे-मोबाइल फोन, कैलकुलेटर, स्मॉर्ट वॉच, ईयरफोन, माइक्रोफोन, कैमरा, हेडफोन, पेन ड्राइव्स, पेजर, ब्लूटूथ डिवाइस आदि प्रतिबंधित हैं। अभ्यर्थियों को अपने साथ एक पासपोर्ट आकार की लेटेस्ट फोटो भी लेकर आना आवश्यक है।

रामेश्वरम धाम यात्रा
तिरूपति बालाजी, श्री रामेश्वरम, सुन्द्रेश्वर महादेव, श्री मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग, मदुरै-माँ मिनाक्षी देवी, त्रिवेन्द्रमपुरम केरला, पद्मनादम् स्वामी, केरला, कन्याकुमारी
यात्रा दिनांक
22 दिसंबर 2024
12 जनवरी 2025
19 जनवरी 2025
16 फरवरी 2025
13 मार्च 2025
13 अप्रैल 2025
11 दिन की यात्रा
राशि: स्लीपर-18,500/-, 3AC-29,501/-
स्वामी तीर्थ यात्रा
संपूर्ण छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र राज्य में सबसे कम दरों पर तीर्थ यात्रा
91111-11866
Head Office : सिटी सेंटर मॉल ग्राउण्ड फ्लोर पावर हाउस रोड कोरबा (छ.ग.)

हरिभूमि
रायपुर, शनिवार 14 दिसंबर 2024
लाइव
Email id- zindgi.live.hb@gmail.com
0771- 4242222, Message at - 9630172937

लाइव इवेंट

सत्यम शिवम सुंदरम...राधा-कृष्ण की रासलीला में दिखा प्रेम रस का भाव

लक्ष्मीनारायण कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला में वार्षिकोत्सव

रायपुर। लक्ष्मीनारायण कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला द्वारा वार्षिकोत्सव समारोह का आयोजन रंग मंदिर के सभागार में किया गया, जहां कक्षा पांचवी से बारहवीं की छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। दोपहर 12 बजे से कार्यक्रम का प्रारंभ स्वागत गीत के साथ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता भातखण्डे ललितकला शिक्षा समिति के अध्यक्ष तरल मोदी ने की। साथ ही विद्यालय की प्राचार्य मनीषा गहोई, छात्रसंघ अध्यक्ष शिखा यादव, सचिव नम्रता राजवाड़े और क्रार्यक्रम प्रभारी संध्या दुबे मुख्य रूप से उपस्थित रहीं।

चोला माटी के हे राम...लोकगीत से शुरुआत

काल कोनो ल छोड़े नहीं... राजा, रंक, भिखारी...चोला माटी के हे राम...छत्तीसगढ़ी लोकगीत से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस दौरान छात्राओं ने पारंपरिक छत्तीसगढ़ी वेशभूषा में मंच पर मंत्रमुग्ध करने वाली प्रस्तुति दी। गीत के शुरुआत से अंत तक सभागार में तालियों की गूंज सुनाई देती रही, साथ ही हौसला बढ़ाने दर्शक भी गीत की पंक्ति गुनगुनाते रहे। देवी वंदना के दौरान मां दुर्गा, मां सरस्वती एवं मां काली की झांकी देखने को मिली। इस अवसर पर कथक नृत्य की प्रस्तुति दी गई।

वर्तमान समय में बालिकाओं का आत्मनिर्भर होना सबसे ज्यादा जरूरी है। आत्मनिर्भर बनने के लिए हमेशा शिक्षा का चयन करें। कोई भी परीक्षा जिंदगी की अंतिम परीक्षा नहीं होती, इसलिए तनावमुक्त परीक्षा का सामना करें। ये कहना है कैरियर काउंसलर डॉ. वर्षा वरवंडकर का, जिन्होंने वार्षिकोत्सव में छात्राओं को परीक्षा संबंधी मोटिवेशनल स्पीच दी।

गीतों पर दर्शक भी झूमे

हे विघ्नहर्ता बप्पा विघ्नहर्ता...शेंदुर लाल चढ़ायो अच्छा गजमुखको...रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान श्रीगणेश की आराधना भी की गई। इस अवसर पर 12वीं के छात्राओं की समूह ने प्रस्तुति दी। सभागार में आकर्षण का केंद्र तारे जमीन पर फिल्म के गाने बम-बम बोले...रहा, जिसे जोशीले अंदाज में प्रस्तुत किया गया। इस दौरान अन्य छात्राएं भी अपने स्थान पर थिरकती नजर आईं, दोपहर 2 बजे तक चले कार्यक्रम में सम्मान समारोह का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुस्कान यादव, प्रीति साहू, गार्गी सूना, इंदिरा यादव, यामिनी साहू, निहारिका यादव को खेल एवं शिक्षा के क्षेत्र में उत्तम प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

रंगोली के माध्यम से नारी शक्ति का संदेश

व्यक्ति के जीवन में दो पहलू होते हैं, जिसमें सुख और दुख दोनों ही शामिल हैं। जीवन में संतुलन और स्वस्थ शरीर सुख का कारण है, वहीं अपेक्षाओं की पूर्ति न होना एवं सामाजिक दबाव दुख के कारणों में शामिल है। यह संदेश दुर्गा कॉलेज की छात्रा ने अपनी रंगोली के माध्यम से दिया। महाविद्यालय परिसर में शुक्रवार को रंगोली, मेहंदी, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट एवं सुलेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जहां 70 से अधिक विद्यार्थियों ने अपनी मनपसंद स्पर्धा में हिस्सा लिया। इस दौरान नारी शक्ति, श्रीकृष्ण, श्रीराम की रंगोली तैयार की गई। वहीं राजस्थानी कलाकृति, गांव की झोपड़ी, वॉल हैंगिंग जैसी सजावटी वस्तुएं वेस्ट से बेस्ट में तैयार की गईं।

बॉलीवुड गानों पर सामूहिक प्रस्तुति

श्रीमती प्रमिला गोकुलदास डागा कन्या महाविद्यालय में सामूहिक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जहां छात्राओं ने छत्तीसगढ़ी, गुजराती, बंगाली, राधा-कृष्ण एवं फिल्मी गानों पर प्रस्तुति दी। सप्ताहभर से आयोजित वार्षिकोत्सव में विभिन्न स्पर्धाओं का आयोजन किया जा रहा है। शुक्रवार को 20 से अधिक सामूहिक नृत्य की प्रस्तुति दी गई, जिसमें बीए, बीकॉम, बीएससी एवं बीसीए संकाय की छात्राएं उपस्थित रहीं। इस अवसर पर भारतीय नृत्य स्पर्धा की प्रथम विजेता कृष्णा एंड ग्रुप रहीं, वहीं वेस्टर्न ग्रुप डांस का प्रथम विजेता सृष्टि एंड ग्रुप रहा।

नवा रायपुर में सोल्जरथॉन मैराथन 15 से, दौड़ के साथ पैदल यात्रा भी

रायपुर। भारतीय सेना द्वारा छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग से 15 दिसंबर को अटल नगर नवा रायपुर के सेंट्रल पार्क में सोल्जरथॉन मैराथन का विशेष संस्करण आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन पाकिस्तान के साथ 1971 के युद्ध में भारत की निर्णायक जीत की 53वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में होगा, जो देश के इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। मैराथन में सभी स्तरों के प्रतिभागियों के लिए विभिन्न श्रेणियों की दौड़ होगी, जिसमें 21 किलोमीटर, 10 किलोमीटर और 5 किलोमीटर की दौड़ के साथ ही साथ 3 किलोमीटर की पैदल यात्रा भी शामिल है। इसके लिए रेस-एक्सपो का आयोजन 14 दिसंबर को सेंट्रल पार्क नवा रायपुर में किया जाएगा। इस आयोजन का मुख्य आकर्षण 1971 के भारत-पाक युद्ध से संबंधित युद्ध अवशेषों को प्रदर्शित करना है।

प्रदर्शनी में दिखाएंगे सैनिकों का बलिदान

प्रदर्शनी में युद्ध से संबंधित सैन्य कलाकृतियां, तस्वीरें और यादगार चीजें प्रदर्शित की जाएंगी। इसके माध्यम से लोगों को 1971 संघर्ष के इतिहास से जुड़ने और इस महत्वपूर्ण अवधि के दौरान भारतीय सैनिकों द्वारा दिए गए बलिदान के बारे में जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। जनरल वीके सिंह, पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, एडीसी, पूर्व सेनाध्यक्ष, प्रस्तावित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगे। इस अवसर वे पैराप्लेजिक रिहैबिलिटेशन सेंटर को 19 लाख 63 हजार 284 रुपए का चेक प्रदान करेंगे। सोल्जरथॉन मैराथन न केवल फिटनेस का उत्सव है, बल्कि 1971 के युद्ध में लड़ने वाले भारतीय सैनिकों की वीरता और बलिदान को श्रद्धांजलि भी है। इसका उद्देश्य भारतीय सशस्त्र बलों और छत्तीसगढ़ के नागरिकों के बीच मजबूत संबंध को बढ़ावा देना तथा एकता, देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की भावना को मजबूत करना है।

एजूकेशन अपडेट

यूजीसी नेट के आवेदन पत्र सुधारने आज अंतिम मौका

रायपुर। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा के लिए एप्लिकेशन करेक्शन विंडो ओपन कर दी है। जिन उम्मीदवारों ने दिसंबर सेशन के लिए रजिस्ट्रेशन किया है, वे आधिकारिक वेबसाइट- ugcnet.nta.ac.in पर एक तय फीस के साथ अपने आवेदन पत्र को एडिट कर सकते हैं। यूजीसी नेट एडिट विंडो 14 दिसंबर रात 11.59 बजे तक खुली रहेगी। जिन उम्मीदवारों को एडिट करना है, उन्हें फाइनल वेरिफिकेशन के लिए एप्लिकेशन नंबर, जन्मतिथि और पासवर्ड के बाद कैप्चा कोड का इस्तेमाल कर लॉगिन करना होगा।

ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये
UGC - NET

एग्जाम सिटी एडिट नहीं कर सकते

उम्मीदवार हर फील्ड को एडिट नहीं कर सकते। जिन उम्मीदवारों ने आधारकार्ड का उपयोग कर वेरिफिकेशन किया है, वे अपना नाम, जेंडर, फोटो, साइन, मोबाइल नंबर, ईमेल एड्रेस, परमानेंट या कम्युनिकेशन एड्रेस या एग्जाम सिटी एडिट नहीं कर सकते, हालांकि जन्मतिथि, केटेगरी, पिता का नाम और माता का नाम जैसी केटेगरी को एडिट किया जा सकता है। परीक्षा 1 जनवरी से 19 जनवरी के बीच आयोजित की जाएगी। एक बार एडिट ऑप्शन खत्म हो जाने पर, एग्जाम सिटी सेंटर को सूचित कर दिया जाएगा और उसके तुरंत बाद एडमिट कार्ड जारी कर दिए जाएंगे।

इंडियन नेवी में बीटेक कैडेट एंट्री स्कीम के लिए आवेदन शुरू

भारतीय नौसेना की ओर से बीटेक कैडेट एंट्री स्कीम के लिए 6 दिसंबर से आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जो भी अभ्यर्थी इंडियन नेवी में शामिल होना चाहते हैं, वे निर्धारित अंतिम तिथि 20 दिसंबर 2024 तक ऑनलाइन माध्यम से एप्लिकेशन फॉर्म भर सकते हैं। आवेदन पत्र केवल ऑनलाइन माध्यम से इंडियन नेवी की ऑफिशियल वेबसाइट **joinindiannavy.gov.in** पर जाकर भरा जा सकता है, ऑफलाइन या अन्य किसी प्रकार से फॉर्म स्वीकार नहीं किए जाएंगे। अभ्यर्थी का फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ विषयों से न्यूनतम 70 प्रतिशत अंकों के साथ 12वीं उत्तीर्ण किया हो। इसके साथ ही उम्मीदवार ने जेईई मेन 2024 एंट्रेस एग्जाम में भाग लिया हो। इस भर्ती में शामिल होने के लिए अभ्यर्थी का जन्म 2 जनवरी 2006 एवं 1 जुलाई 2008 के बीच हुआ हो। अभ्यर्थी की न्यूनतम लंबाई 157 सेमी से कम नहीं होनी चाहिए। योग्यता एवं मापदंड की अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी ऑफिशियल नोटिफिकेशन का अवलोकन कर सकते हैं।

नैनो टेक्नॉलॉजी का दैनिक जीवन में बढ़ा महत्व, अब युवाओं को मिलेगा रोजगार

रायपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में केमिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 'नेशनल कांफ्रेंस' का आयोजन किया गया है। यह आयोजन विकसित भारत मिशन के 'नैनो टेक्नोलॉजी एंड एनवायरनमेंट' के विषय पर किया गया है। दो दिवसीय नेशनल कांफ्रेंस के उद्घाटन समारोह में संस्थान की निदेशक डॉ. एबी सोनी उपस्थित रहीं, जिन्होंने छात्राओं को नैनो टेक्नोलॉजी एंड एनवायरनमेंट के विभिन्न पहलुओं को समझाने का प्रयास किया। इसमें मुख्य अतिथि आईआईटी दिल्ली के प्रो. डॉ. अनिल वर्मा, विशेष अतिथि टस्केगी विश्वविद्यालय एएल के प्रो. डॉ. विजय रंगारी मौजूद रहे।

एनआईटी में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन

राष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे संस्करण में विभाग की उपलब्धियों की जानकारी दी गई। जहां डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नॉलॉजी, अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन और सह-प्रायोजक छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा कांफ्रेंस में 60 से अधिक पेपर प्रस्तुत किए गए। इनमें से 50 पेपर का विषय अनुसार चयन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. अनिल वर्मा ने वैनाडियम के निष्कर्षण और उसके उपयोग को समझाने का प्रयास किया। कहा, पॉलिमर, कॉस्मेटिक्स, पैकेजिंग, फ्यूल्स और सेमीकंडक्टर्स जैसी अनेक वस्तुओं का दैनिक जीवन में अपनी एक अलग महत्व है। उन्होंने केमिकल टेक्नोलॉजी के व्यापक दायरे को रेखांकित किया, जो औद्योगिक उत्पादन से जुड़ा हुआ है। यह क्षेत्र 2030 तक 9 प्रतिशत की वृद्धिदर के साथ रोजगार के बेहतर अवसर प्रदान करेगा, जिसमें युवाओं की संख्या सबसे अधिक रहेगी, इसमें युवाओं द्वारा प्रस्तुत नए विचारों को शामिल किया जाएगा।

डिजिटल रेस्ट मतलब नो डिजिटल अरेस्ट डिजिटलाइजेशन युग में अलर्ट रहना जरूरी

रायपुर। पुरानी बस्ती अग्रसेन महाविद्यालय के आईक्यू एसी सेल और वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग के संयुक्त तत्वावधान मे डिजिटल अरेस्ट से बचाव एवं जागरूक्ता विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. गीतेश अमरोहित ने बताया कि सजगता ही बचाव है। डिजिटलाइजेशन के युग में हर व्यक्ति को अलर्ट रहना जरूरी है। विषय पर प्रकाश डालते हुए एएसआई प्रवीण शुक्ला ने डिजिटल अरेस्ट से बचने से संबंधित कानूनी प्रावधान पर विस्तार से जानकारी दी। साथ ही दोनों विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों के प्रश्नों का उत्तर भी दिया। महाविद्यालय के निदेशक डॉ. वीके अग्रवाल ने कार्यक्रम को वर्तमान परिप्रेक्ष्य में अति महत्वपूर्ण बताया।

हर वर्ग को साइबर क्राइम की जानकारी जरूरी

महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष व प्रशासनिक अधिकारी डॉ. अमित कुमार अग्रवाल ने कहा कि लगातार मीडिया पर प्रकाशित प्रसारित खबरों ने इस ओर हमारा ध्यान खींचा है। आशा है कि आज के व्याख्यान का लाभ छात्रों को जरूर मिलेगा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. यूलेंद्र कुमार राजपूत ने आभार प्रदर्शन करते हुए कहा कि छात्रों के जरिए हर वर्ग तक ये जानकारी पहुंचे, इसलिए समय-समय पर इस तरह के आयोजन महाविद्यालय में होते रहते हैं। कार्यक्रम का संचालन प्रबंध विभाग के प्राध्यापक अभिनव अग्रवाल ने किया।

ठंड के मौसम में बच्चे पतंग उड़ाने हो रहे उत्साहित

कार्नर न्यूज

चली-चली रे पतंग, बादलों के पार... मकर संक्रांति से पहले दुकानों पर सज गईं पतंगें

रायपुर। ठंड के दस्तक देने के साथ ही बच्चों में पतंगबाजी के प्रति उत्साह देखा जा रहा है। पतंग की दुकानें सज गई हैं और बच्चे पतंग खरीदने के लिए पहुंचने लगे हैं। पतंगबाजी सिर्फ ठंड के मौसम की शुरुआत के साथ होती है और मकर संक्रांति के बाद खत्म हो जाती है। शहर में पतंगबाजी ज्यादा होती है। पर्व से पहले बच्चों ने पतंग उड़ाना भी शुरू कर दिया है। छतों से लेकर मैदान तक बच्चे पतंगबाजी करते देखे जा रहे हैं। दुकानदार का कहना है कि हर दिन 20 से अधिक पंतगों की बिक्री हो रही है। छुट्टी के दिनों में यह संख्या में 50 से अधिक पहुंच जाती है। उनका कहना है कि ठंड में पतंग का कारोबार अच्छा होता है। पतंगों की बिक्री अब मकर संक्राति तक चलेगी। पर्व के नजदीक आते ही बाजार में पंतगों की दुकान सजने लगी हैं। बच्चों समेत युवा भी प्रतियोगिता की तैयारी शुरू चुके हैं।

मकर संक्रांति में ज्यादा बिक्री होने की उम्मीद

पिछले साल की तुलना में इस बार ठंड में पतंगों की बिक्री अधिक बताई जा रही है, जिसे देखते हुए दुकानदारों को उम्मीद है कि इस बार मकर संक्रांति में पतंगों की बिक्री अधिक होगी। पर्व को लेकर नई व आकर्षक मैसेज वाली पतंगों के नए कलेक्शन आने लगे हैं। दुकानदारों का कहना है कि मकर संक्रांति को लेकर बेहद उत्सुक हैं। नागपुर, जयपुर से किफायती दामों में पतंगों की खरीदारी की है।

कलरफुल पतंगों से दुकानें सजीं

मकर संक्राति का पर्व जैसे जैसे नजदीक आता जा रहा है, ऐसे में बाजारों में कलरफुल पतंगों से दुकानें सजकर बिक्री शुरू हो गई है। बच्चे इन दिनों अपने घरों की छतों पर सुबह से शाम तक पतंगबाजी करते हुए नजर आ रहे हैं। लोकल मांझा युवाओं व बच्चों को खासा लुभा रहा है। दूसरी ओर बाजारों में पतंगों की दुकानों पर स्वदेशी पर विशेष जोर दिया जा रहा है। बड़े आकार की कागज से बनी चार रंगों वाली पतंग की कीमत 10 रुपए है। वहीं बाजार में फिलहाल सबसे अधिक आकर्षण का केंद्र अनूठी आकृतियों वाली जैसे चिड़िया, गोलाकार पतंग की है, जो सामान्य पतंग के आकार से थोड़ी हटकर है। इन पतंगों की कीमत 15 रुपए से लेकर 50 रुपए तक होती है।

सिटी लाइव

महालक्ष्मी के वरदान दिवस पर आज होगी पूजा-अर्चना

रायपुर। शहर के रामनाथ भीमसेन भवन में शनिवार की शाम भक्तिमय माहौल रहेगा। छत्तीसगढ़ प्रांतीय युवा अग्रवाल मंच के संरक्षक कन्हैया अग्रवाल ने बताया कि शाम 6 बजे महालक्ष्मी वरदान दिवस मनाया जाएगा। इसमें कुलदेवी महालक्ष्मी और भगवान अग्रसेन की पूजा-आरती के साथ ही भोग प्रसादी की व्यवस्था की गई है। महामंत्री नितेश अग्रवाल ने बताया कि अगहन मास की पूर्णिमा तिथि के दिन अग्रसेन महाराजजी की लंबी तपस्या के बाद मां लक्ष्मी ने दर्शन और वरदान दिया था कि मैं तुम्हारे कुल में हमेशा वास करूंगी। इसीलिए अगहन मास की पूर्णिमा के दिन को अग्रवाल समाज के लोग देश में महालक्ष्मी वरदान दिवस मनाते हैं।

शामिल होने समाज से आग्रह

इस बार भी भक्तिमय माहौल में महालक्ष्मी की आराधना समाज द्वारा की जाएगी। मां लक्ष्मी की कृपा से अग्रवाल समाज के परिवार में समृद्धि के साथ सुख-शांति है। अब समाज के साथ मिलकर मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना उल्लास और भक्तिभाव के साथ करेंगे। वरदान दिवस पर आधारित मां महालक्ष्मी से जुड़े प्रसंग पर समाज के लोग चर्चा करेंगे। साथ छत्तीसगढ़ प्रांतीय युवा अग्रवाल मंच ने समाज के लोगों को सपरिवार महालक्ष्मी वरदान दिवस में शामिल होने और पूजा-अर्चना करने के बाद प्रसादी लेने के लिए अपील की है।

धर्म लाइव

भगवान दत्तात्रेय का जन्मोत्सव आज, मंदिर में भक्तिमय माहौल

रायपुर। पुरानी बस्ती स्थित प्राचीनतम दत्तात्रेय मंदिर में नौ दिवसीय जयंती समारोह का आयोजन किया गया। जहां ब्रह्मा, विष्णु, महेश के स्वरूप पूजे जाने वाले भगवान दत्तात्रेय का जन्मोत्सव शनिवार मनाया जाएगा। ब्रह्म मुहूर्त में ही मंदिर में पूजा-अर्चना प्रारंभ कर दी जाएगी। मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष हरिवल्लभ अग्रवाल ने बताया, जन्मोत्सव के अवसर पर सुबह से देर रात तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। जहां सुबह 9 बजे से ब्राह्मणों की उपस्थिति में पूजन प्रारंभ किया जाएगा। मंदिर परिसर में शिवलिंग पर दुग्धाभिषेक किया जाएगा। इसके पश्चात सत्यनारायण कथा पूजन और हवन, आरती की जाएगी। देर शाम 6 बजे आतिशबाजी और महाआरती का आयोजन किया गया है। जहां पांच सौ से अधिक शहरवासी उपस्थित रहेंगे।

स्वर्ण श्रृंगार में भगवान के दर्शन

शुक्रवार को मंदिर परिसर में गुरु चरित्र पाठ का पठन पं. सुबोध मनोहर पांडे द्वारा किया गया। इसके साथ ही सुबह से ही भक्तों की भीड़ मंदिर परिसर में दर्शनमात्र के लिए एकत्र हुई। जन्मोत्सव से पूर्व मंदिर परिसर को फूलों से सजाया गया है, इस अवसर पर भगवान दत्तात्रेय के भव्य स्वर्ण श्रृंगार के दर्शन होंगे। मंदिर में वल्लभ नगर स्थित केंद्र के साईं मंडल महिला समिति द्वारा भजन संध्या का आयोजन किया गया। इस दौरान महिला मंडल ने देर रात तक लगातार कई भजनों की प्रस्तुति दी।

आराधना

प्रेम से रहकर भगवान का करना चाहिए भजन

रायपुर। प्रोफेसर कॉलोनी सेक्टर-3 में श्रीमद भागवत कथा में वृंदावन से आए महाराज मधुरमजी ने कथा में रासलीला, कंस वध की कथाओं को बहुत अच्छी प्रकार सुनाया। इस दौरान उन्होंने गोपी उद्धव के दिव्य मिलन की चर्चा करते हुए बताया, उद्धव अभिमान के साथ वृंदावन में आए। जो ज्यादा पढ़े लिखे होते हैं, उन्हें अब अपनी डिग्रियों का अभिमान हो जाता है, परंतु जब प्रेमीजनों से सत्संग मिलता है, तब उद्धव की तरह गोपियों की प्रेम सागर में वे भी डूब जाते हैं। इसके बाद गोपियों के शिष्य बनते हैं। गोपियों के चरणों की धूल को प्राप्त कर उद्धव मथुरा जाते हैं और कन्हैया को ब्रज में आने के लिए कहते हैं। कृष्ण समझ जाते हैं कि उद्धव पर गोपी प्रेम चढ़ गया है। सभी भक्तों को बताते हुए आचार्यजी ने बताया, संसार में किसी भी प्राणी को किसी भी प्रकार का मान-अभिमान नहीं करना चाहिए एवं साथ में प्रेम से रहकर भगवान का भजन करना चाहिए। इसके बारे में रुक्मिणी कृष्ण के विवाह की कथा सुनाकर भगवान के विवाह में पूरे पंडाल को आचार्यजी ने नचा दिया, श्रद्धालु खूब झूमे। कल की कथा सुदामा चरित्र आदि की होगी।

सर्दी के दिनों में रोज जांचें पौधे की स्थिति, सीजनल पौधे ही रोपें तो गुलजार रहेगा घर का बगीचा

ठंड में पौधे कम ग्रोथ करते हैं, इनकी शिफ्टिंग से बचें मिट्टी की नमी खत्म न होने दें, 20 दिनों में एक बार डालें खाद

सर्दी के मौसम में छोटी-छोटी गलतियां आपके बगीचे की सुंदरता को बिगाड़ सकती हैं। इनकी देखभाल के साथ ही इन्हें पर्याप्त पोषक तत्व मिलें, कीड़े इनकी जड़ों को नुकसान न पहुंचाएं या फंगस न लगने पाए, इसके लिए प्रकृति प्रेमियों को हमेशा सतर्क रहना चाहिए। रोज पौधों की स्थिति को जांचते रहें और इनकी दूसरे गमलों में शिफ्टिंग करने की न सोचें। ऐसा करने से पौधा मुरझाने व नष्ट होने की संभावना बढ़ जाती है।

रायपुर। शहर में प्रकृति प्रेमियों की कमी नहीं है। पॉश कॉलोनियों में रहने वालों समेत बस्तियों में सीमित दायरे में मकान बनाकर रहने वाले भी छत पर गार्डनिंग करने में रुचि लेने लगे हैं। इनकी बढ़ती पैठ के चलते शहर के मुख्य मार्गों और आउटर इलाके में नर्सरी कल्चर भी फलने-फूलने लगा है। कई युवा इसे कॅरियर के रूप में भी संवार रहे हैं। इनके पास रोज प्रकृति प्रेमियों की आवाजाही से रौनक भी बनी रहती है। पौधा खरीदने के लिए आने वाले लोग इनसे देखभाल कैसे करें, यह भी जानने का प्रयास करते हैं। वीआईपी रोड, मठपारा और भाठागांव क्षेत्र में नर्सरी संचालित करने वाले भरत अठवानी, रमेंद्र यादव और जितेंद्र कुमार ने बताया कि सर्दी के मौसम में पौधों को फंगस से बचाना बड़ी चुनौती होती है।

प्रकृति प्रेमी बरतें यह सावधानी

सर्दी के मौसम बगीचे में लगाए गए फूलों को ज्यादा से ज्यादा धूप मिले, यह देना चाहिए। हर 15 से 20 दिन में एक बार जैविक खाद डालें। पौधा रोपते समय फंगीसाइट पाउडर का उपयोग जरूर करें। पौधे में हमेशा ठंडा पानी ही डाले। पौधे में अगर किसी तरह से कीड़े लगने की स्थिति समझ में आए तो उससे बचाव के लिए दवा छिड़काव जरूर करें। इसमें विलंब करने की स्थिति में पौधा बीमारी का शिकार होने से सूख भी सकता है। जहां तक संभव हो अपने गार्डन में रासायनिक खाद का उपयोग कम करने का भी प्रयास करें।

ठंड में पॉम के पौधों की शिफ्टिंग..

पौधों का रख-रखाव करने वालों की मानें तो सर्दी के मौसम में पॉम के पौधों को लगाने और शिफ्टिंग करने से बचें। ठंड के समय में वैसे भी इस पौधे का फैलाव नहीं होता है। इस वजह से इनकी शिफ्टिंग

करने से लोग बचते हैं। इनके फैलाव के लिए नमी और गर्माहट वाला मौसम बेहतर होता है। सर्दी के मौसम में इनको रोपने का प्रयास भी बेकार जाता है। इसके चलते लोग बाजार में इनकी डिमांड भी नहीं करते हैं।

इन पौधों को अभी रोपना आसान

सर्दियों में लगने वाले फूलों के पौधों व फूलों की बात करें तो गेंदा, कामिनी, मोगरा, सेवंती, परिजात, कनेर, गुडहल, रातरानी आदि सभी फूलों के पौधे सर्दियों में आसानी से लगते हैं। यह पौधे ज्यादातर कटिंग से आसानी से उग जाते हैं। अभी के मौसम में कटिंग पौधे को उगाना काफी सरल है। कैलेंडुला, इसे पॉट मैरीगोल्ड के रूप में जाना जाता है। यह पौधा विभिन्न रंगों पीले, गहरे नारंगी में पाया जाता है। पैंसी भी एक शीतकालीन फूल है। यह भी सभी रंगों में मिलता है। छाया में अच्छी तरह से पनपता भी है। पेटुनिया सर्दियों में उगाना चाहिए। 'ग्रैंडिफ्लोरा' पेटुनिया, के फूल बड़े और सर्दियों के लिए अच्छे माने जाते हैं।

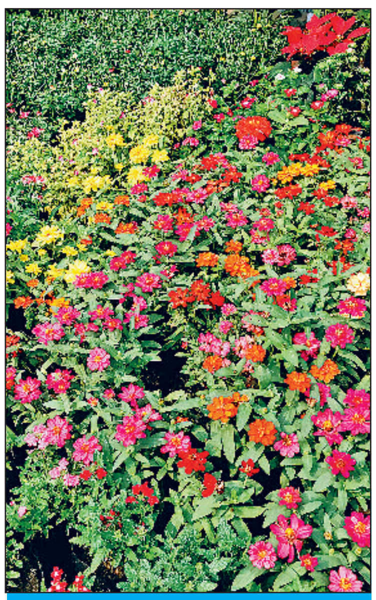

सर्दी में ऐसे कर सकते हैं देखभाल

अगर मकान की छत पर सर्दियों में पौधे लगाने की सोच रहे हैं तो बुलई दोमट या आसपास बगीचे की उपजाऊ मिट्टी का ही पहली बार उपयोग करें। अगर गार्डन में रेतीली मिट्टी है तो इसमें गोबर खाद और चिकनी मिट्टी को डालकर आसानी से रोपे गए पौधे के लिए उपजाऊ बना सकते हैं। सर्दी में पौधा रोप दिया है तो उसकी देखभाल के लिए भी सजग रहने की जरूरत होती है। 60% सामन्य गार्डन की मिट्टी, 20% गोबर, कम्पोस्ड खाद, 20% रेत या चिकनी मिट्टी इन्हे अच्छे से मिलाकर पूरी तरह से मिक्स करके गमलें में डालें और 24 घंटे के बाद ही पौधे को रोपें। इससे पौधा आसानी से गमले में ग्रोथ करेगा।

गजब... दीवारों पर थ्रीडी पेंटिंग...

रायपुर। खमतराई क्षेत्र के वार्ड 16 के घरों में नगर निगम की ओर से दीवारों पर आकर्षक चित्रकारी के जरिए खूबसूरत बनाया जा रहा है। कलाकारों द्वारा बनाई गई भगवान व मंदिरों की थ्रीडी पेंटिंग लोगों को लुभा रही है तो वहीं स्कूल व गार्डन में छत्तीसगढ़ की संस्कृति, शिव मंदिर और बनारस घाट की चित्रकारी देखने को मिल रही है।

फिल्मी अभिनेताओं की मिमिक्री ने हंसाया, रेल अफसरों ने सुनाए गीत

रायपुर। रेलमंडल की ओर से शुक्रवार की रात मधुरम मीडिया संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें रेलवे अफसरों और कर्मचारियों ने गीत-संगीत और नृत्य की प्रस्तुति देते हुए कार्यक्रम को यादगार बनाया। इस दौरान किशोर कुमार समेत फिल्मी अभिनेताओं की मिमिक्री के जरिए सभी को खूब हंसाया। कार्यक्रम के जरिए रेलवे कर्मचारियों ने अपनी प्रतिभा से सभी को प्रभावित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रेल मंडल प्रबंधक संजीव कुमार और वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अवधेश कुमार त्रिवेदी ने भी प्रस्तुति की सराहना की। इस दौरान मीडिया संवाद में पहुंचे पत्रकारों से बातचीत कर रेलवे से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। डीआरएम संजीव कुमार ने कहा कि रायपुर रेलमंडल यात्रियों की सुविधाओं को बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। मंडल की उपलब्धियां गिनाईं। इसके अलावा भविष्य की योजनाओं की भी जानकारी दी।

पुराने गीतों ने जीता दिल

कार्यक्रम में अफसरों ने भी अपनी प्रस्तुति दी, जिसमें पुराने गीतों ने सभी का दिल जीत लिया। रेलवे कर्मचारियों ने प्रेरित किया कि काम के साथ अपने शौक को जीवन में हमेशा जीवित रखें, यह आपको खुशियां देता रहेगा। इस दौरान नृत्य के जरिए सकरात्मक समाज के निर्माण का भी संदेश दिया गया। कार्यक्रम में पहुंचे अतिथियों ने भी गानों की प्रस्तुति दी। इस दौरान राजधानी के पत्रकार उपस्थित रहे।

राजधानी की संस्थाएं प्रयागराज में हरित महाकुंभ को सफल बनाने दे रहीं सहयोग

महाकुंभ को प्लास्टिक मुक्त करने प्रयागराज भेज रहे थैले और बर्तन, ठंड से बचाने संतों के लिए कैंप, कंबल की भी सुविधा

कार्नर न्यूज

रायपुर। प्रयागराज में जनवरी से शुरू होने वाले महाकुंभ को सफल बनाने के लिए छत्तीसगढ़ के संत-महंत ही नहीं, बल्कि सेवा के क्षेत्र से जुड़ी संस्थाएं भी सहयोग के लिए हाथ बढ़ा रही हैं। महाकुंभ स्नान करने जाने वाले लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न होने पाए, इसके लिए लोग कंबल भी भेज रहे हैं। साथ ही आस्था केंद्र को साफ-सुथरा रखने में सहयोग देने के लिए थैले और बर्तन भी भेजे जा रहे हैं, ताकि लोग प्लास्टिक और डिस्पोजल का उपयोग करने से बचें और हरित कुंभ को सफल बनाएं। वहां होने वाली लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ में अगर किसी के पास ठंड से बचने के लिए भी पर्याप्त कपड़े न हों तो ऐसे लोगों के लिए संस्थाएं आपसी सहयोग से कंबल भेजने की पहल कर रही हैं।

हरित कुंभ में भेजा एक थाली एक थैला

पर्यावरण को बचाने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा प्रयागराज में होने वाले कुंभ में प्लास्टिक, डिस्पोजल के प्रयोग को पूर्ण रूप से बंद कर हरित कुंभ के प्रतीक के रूप में मनाने का संकल्प लिया है। साथ ही कुंभ स्थल पर भेजने के लिए हर घर से एक थाली एक थैला संकलन का अभियान देशभर में शुरू किया है। इस कड़ी में राजेश अग्रवाल की अगवाई में श्रद्धालुओं से प्राप्त 1000 थाली और 1000 थैले भेंट करने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रतिनिधियों को बुलाया। पं. धीरेंद्र मिश्रा, प्राची मिश्रा ने वृंदावन हॉल में सभी सामग्री भेंट ली।

भोजन और वस्त्रों का वितरण

महाकुंभ की तैयारी के लिए श्री सुरेश्वर महादेवपीठ के संस्थापक स्वामी राजेश्वरानंद व रूपेश महाराज, निराहारी बाबा गौतमानंद, साध्वी सौम्या, इंदरचंद जैन, ओम राठौड़ ने भी सेवा देने का निर्णय लिया है। स्वामी ऋषिपाल, आनंद महाराज, ऋषि शर्मा ने बताया कि महाकुंभ में इस बार सुरेश्वर महादेवपीठ द्वारा कैंप लगाया जाएगा। इसमें भक्तों के लिए सुबह पूजा-पाठ के बाद हवन और पं. रूपेश महाराज द्वारा भागवत कथा की जाएगी। शिव महापुराण की कथा भी प्रतिदिन होगी। दंडी स्वामियों को रोज कैंप में भोजन प्रसादी और वस्त्र प्रदान किए जाएंगे।

महाकुंभ में थाली, थैला और कंबल सेवा

सरयूपारीण ब्राह्मण सभा ने तुलसी भवन में अध्यक्ष डॉ. सुरेश शुक्ला के नेतृत्व में बैठक कर महाकुंभ के लिए 50 कंबल, 75 थाली एवं 127 थैले भेजे हैं। प्रवक्ता संजय तिवारी ने बताया कि समाज महाकुंभ की न सिर्फ महत्ता समझता है, बल्कि पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय संकल्प में अपना समुचित योगदान दे रहा है। भेजे गए कपड़े के थैले समाज की महिलाओं ने तैयार किए हैं। कंबल भी खरीदकर समाज के माध्यम से भेजते हुए अपने संकल्प को पूरा किया। समाज के युवा सामाजिक, सांस्कृतिक व धार्मिक कार्यों में अपना योगदान दें, इस भावना से युवा सदस्यों ने 75 थालियों का इंतजाम किया है।

सिटी स्पोर्ट्स

विजय मर्चेंट ट्रॉफी में मैच ड्रा छत्तीसगढ़ के आर्यन ने लिए 5 विकेट

रायपुर। बी सी सी आई द्वारा मेंस अंडर 16 विजय मर्चेन्ट ट्रॉफी 2024 का आयोजन 06 दिसंबर से किया जा रहा है। जिसमें छत्तीसगढ़ की टीम का दूसरा तीन दिवसीय मैच (11-13 दिसंबर) शिमोगा में पंजाब अंडर 16 टीम के विरुद्ध खेला गया। छत्तीसगढ़ अंडर 16 ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। पंजाब ने पहले बल्लेबाजी करते हुये अपनी पहली पारी में 103.5 ओवरों में 10 विकेट खोकर 225 रन बनाये। पंजाब की ओर से कप्तान उमेश गिल ने 91 रनों का योगदान दिया। उनके अतिरिक्त पारस ने 51 रन बनाये। छत्तीसगढ़ टीम की ओर से आर्यन सिंह ने 5 विकेट तथा वेदांत जैन ने 2 विकेट प्राप्त किए। छत्तीसगढ़ ने अपनी पहली पारी में 89.1 ओवरों में 10 विकेट खोकर 242 रन बनाये। छत्तीसगढ़ की ओर से आदित्य वर्मा ने 71 रनों का योगदान दिया। उनके अतिरिक्त वेदांश खेडिया ने 48 रन तथा अमेया मोरे ने 41 रनों का योगदान दिया। पंजाब की ओर से साक्ष्य ने 6 विकेट तथा ईशान ने 3 विकेट प्राप्त किये। मैच की समाप्ति तक पंजाब ने 51 ओवरों में 3 विकेट खोकर 98 रन बना लिये थे। पंजाब की ओर से गुरसिमरन ने 40 रन बनाये वहीं छत्तीसगढ़ की ओर से आर्यन सिंह ने 2 विकेट प्राप्त किये। मैच ड्रा पर समाप्त हुआ। छत्तीसगढ़ ने पहली पारी में बढत के आधार पर 3 अंक प्राप्त किये।

खूब लगा रहे चौके-छक्के बैंक अफसर, फाइनल आज

रायपुर। यूनियन बैंक ऑफिसर एसोसिएशन छत्तीसगढ़ इकाई के तत्वावधान में आल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कन्फेडरेशन (एआईबीओसी) क्रिकेट लीग 2024,, लीग स्टेज पूल ए के मैच एक दिसम्बर को रियाज क्रिकेट अकादमी, रायपुर में खेले गए जिसमे प्रथम दो स्थानों पर क्रमशः ब्लैक पैंथर्स और भिलाई बुल्स रहे। पूल बी के मैच रियाज क्रिकेट अकादमी, रायपुर में खेले गए। जिसमे प्रथम दो स्थानों पर क्रमशः रायपुर स्ट्राइकर्स एवं बिलासपुर आरपा वरियर्स रहे। सेमी-फाइनल एवं फाइनल मैच भिलाई इस्पात संयंत्र, क्रिकेट मैदान सेक्टर-1 भिलाई में 14 दिसम्बर को आयोजित किए जाएंगे। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ऑफिसर एसोसिएशन के अध्यक्ष अमित कुमार एवम महासचिव रवि दुबे ने बताया कि मैच देखने के लिए बी.पी. दास अंचल प्रमुख भोपाल, महाप्रबंधक यूनियन बैंक ऑफ इंडिया एवं अनुज कुमार क्षेत्र प्रमुख एवम उपमहाप्रबंधक,, रायपुर यूनियन बैंक ऑफ इंडिया उपस्थित रहेंगे। मैच के मुख्य अतिथि नरेन्द्र कुमार बंछोर सेफी प्रमुख एवम बीएसपी ऑफिसर एसोसिएशन के अध्यक्ष, विशेष अतिथि परविंदर सिंह महासचिव ऑफिसर एसोसिएशन बीएसपी होंगे और कुंतल बघेल महाप्रबंधक ई.आर.एस. बीएसपी भिलाई कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।

यूनियन बैंक ऑफिसर एसोसिएशन के अध्यक्ष अमित कुमार ने सही राम जाखड़ डीजीएम, राजकुमार नैयर एजीएम, रेमी थॉमस वरिष्ठ प्रबंधक, अभिजीत भौमिक, भागवत साहू और बीएसपी के अधिकारियों का विशेष सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए मैच देखने आमंत्रित किया है।

राष्ट्रीय खेल में हिस्सा लेने छत्तीसगढ़ स्क्वैश टीम का चयन ट्रायल 18 से

रायपुर। 38वाँ राष्ट्रीय खेल का आयोजन 28 जनवरी से 14 फरवरी 2025 तक उत्तराखण्ड में होना है। छत्तीसगढ़ स्क्वैश एसोसिएशन द्वारा राष्ट्रीय खेल में राज्य से स्क्वैश में प्रतिनिधित्व करने सेलेक्शन ट्रायल 18 दिसम्बर को समय प्रातः 11:00 से सायं 7:00 बजे तक एवं 19 दिसम्बर को सुबह 9:00 बजे से स्क्वैश काम्पलेक्स में आयोजित है। सेलेक्शन ओपन / सीनियर पुरूष एवं महिला वर्ग मे ट्रायल नॉकआउट पद्धति से होना है।

राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा वालीबाल स्पर्धा में बॉयज़ और गर्ल्स दोनों टीम ने प्री क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया है। सलेक्शन ट्रायल मे प्रतिभागी 15 से 17 दिसम्बर दोपहर 1:00 बजे तक स्क्वैश कॉम्पलेक्स मे अपनी प्रविष्टि कर सकते है । छत्तीसगढ़ एसोसिएशन के माध्यम से चयनित खिलाड़ियो का प्रशिक्षण शिविर लगाया जाएगा। छत्तीसगढ़ स्क्वैश टीम में 4 पुरूष व 4 महिला प्रतिभागी एवं व्यवस्थापक तथा प्रशिक्षक सम्मिलित होंगे।

संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) ने 21 दिसंबर को 'वर्ल्ड मेडिटेशन डे' मनाने की स्वीकृति दी

शारीरिक और मानसिक दोनों सेहत के लिए फायदेमंद है मेडिटेशन, अपनाने पर बदलाव दिखेगा जीवन में

योग और व्यायाम को संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभकारी माना जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, जो लोग नियमित रूप से योग का अभ्यास करते हैं उनमें कई प्रकार की गंभीर और क्रोनिक बीमारियों के विकसित होने का खतरा कम होता है। अध्ययनकर्ता कहते हैं, सभी उम्र के लोगों को दिनचर्या में मेडिटेशन या ध्यान अभ्यास को जरूर शामिल करना चाहिए। जिस तरह से दुनियाभर में मानसिक रोगों को जोखिम बढ़ रहा है, ये एक अभ्यास आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है। चूंकि मानसिक स्वास्थ्य का सीधा संबंध शारीरिक सेहत से है, इसलिए मेडिटेशन का अभ्यास संपूर्ण स्वास्थ्य को ठीक रखने में मददगार हो सकता है। मेडिटेशन से होने वाले फायदों के बारे में लोगों को जागरूक करने और ध्यान अभ्यास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हाल ही में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) ने 21 दिसंबर को 'वर्ल्ड मेडिटेशन डे' मनाने की स्वीकृति भी दे दी है। यूएनजीए में भारत के एक सह-प्रायोजित प्रस्ताव जिसमें 21 दिसंबर को 'वर्ल्ड मेडिटेशन डे' के तौर पर घोषित करने के लिए कहा गया था, उसपर एकमत से मुहर लगी है। सभी देशों ने इसे स्वीकारते हुए एक तरफ से इसके पक्ष में वोटिंग की थी। मेडिकल साइंस ने भी कई अध्ययनों में पाया है कि मेडिटेशन का नियमित अभ्यास शरीर के लिए कई प्रकार से लाभप्रद हो सकता है, कैसे? आइए जानते हैं।

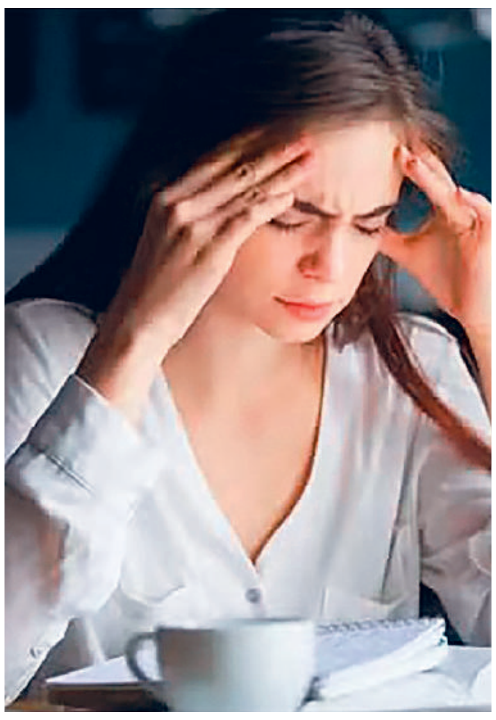

पहले जानिए मेडिटेशन होता क्या है?

मेडिटेशन या ध्यान का अभ्यास आपके दिमाग को ध्यान केंद्रित करने और अपने विचारों को पुनर्निर्देशित करने की प्रक्रिया है। मेडिटेशन के लिए किसी शांत जगह पर आराम से बैठ जाएं। इसके बाद गहरी सांस लें और मन को एक जगह पर केंद्रित करने का प्रयास करें। मेडिटेशन के दौरान अपनी सांसों पर ध्यान देने और मन को एकाग्र करने का प्रयास किया जाता है। कई लोग इसे तनाव कम करने और एकाग्रता विकसित करने का एक तरीका मानते हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि मेडिटेशन की मदद से सकारात्मक मनोदशा और दृष्टिकोण बनाने, आत्म-अनुशासन स्थापित करने, नींद के पैटर्न में सुधार करने और मानसिक स्वास्थ्य को ठीक रखने में लाभ मिल सकता है।

मेंटल हेल्थ के लिए बहुत लाभकारी है मेडिटेशन

मेडिटेशन का नियमित अभ्यास करना आपकी मेंटल हेल्थ को ठीक रखने में काफी मददगार हो सकता है। ध्यान के अभ्यास से तनाव कम किया जा सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, अगर तनाव की समस्या पर ध्यान न दिया जाए तो इसका शारीरिक स्वास्थ्य पर भी असर हो सकता है जिसमें हृदय गति में वृद्धि, नींद से लेकर रक्तचाप तक की समस्याएं बढ़ जाती हैं। साल 2017 में करीब 45 अध्ययनों की समीक्षा से पता चला है कि ध्यान का अभ्यास कई प्रकार की शारीरिक समस्याओं जैसे इरिटेबल बाउल सिंड्रोम, पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर और फाइब्रोमाइल्जिया में भी लाभकारी है।

नींद की दिक्कत कम करने के लिए करें मेडिटेशन

नींद विकार के शिकार लोगों के लिए भी मेडिटेशन का नियमित अभ्यास करना फायदेमंद हो सकता है। साल 2014 के एक अध्ययन में माइंडफुलनेस आधारित सेशन के प्रभावों की जांच की गई। इसमें पाया गया कि जिन लोगों ने मेडिटेशन का अभ्यास किया उनमें नींद से संबंधित दिक्कतें कम हुईं। इसकी मदद से अनिद्रा में भी लाभ पाया जा सकता है। यहां ध्यान देना जरूरी है कि जिन लोगों को नींद की दिक्कत बनी रहती है उनमें कई प्रकार की शारीरिक और मानसिक बीमारियों का खतरा भी हो सकता है।

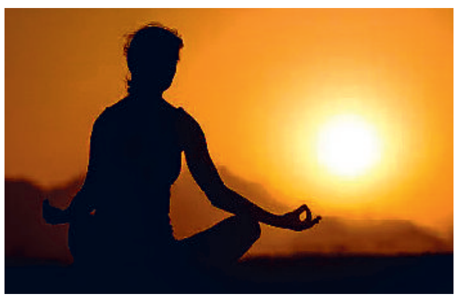

बच्चे के लिए घर में नहीं है स्टडी रूम तो ऐसे रखें उसका सामान

आजकल घरों में बच्चों के लिए अलग से स्टडी रूम बनवाने का चलन काफी बढ़ गया है। ऐसे में आपको बच्चे का पढ़ाई से जुड़ा सामान रखते समय वास्तु का खास ख्याल रखना चाहिए। हर पैरेंट चाहता है कि वह अपने बच्चे को हर तरह की सुख-सुविधाएं मुहैया करवाए। इसलिए, अब लोग बच्चों के लिए अलग से स्टडी रूम बनवाने लगे हैं। जिसमें बच्चे आराम से बैठकर पढ़ सकें और अपना सभी जरूरी सामान वहां रख सकें। हालंकि, हर पैरेंट के लिए ऐसा कर पाना संभव नहीं होता है। कई बार ऐसा भी होता है कि घर में बच्चे का अलग से कमरा या फिर स्टडी रूम नहीं होता है।

इस स्थिति में बच्चे अपना स्टडी से जुड़ा सामान कहीं पर भी इधर-उधर रख देते हैं। हालांकि, वास्तु के अनुसार इसे बिल्कुल भी उचित नहीं माना जाता है। भले ही बच्चे के पास अलग से स्टडी रूम नहीं है, फिर भी उसे अपना सामान सही तरह से रखना चाहिए, जिससे वह पढ़ाई में आगे निकल सके। तो चलिए आज इस लेख में वास्तुशास्त्री डॉ. आनंद भारद्वाज आपको बता रहे हैं कि स्टडी रूम ना होने की स्थिति में बच्चे का सामान घर में किस तरह रखना चाहिए-

यूं रखें बच्चे के खिलौने

बच्चे कई तरह के कॉम्पीटिशन में भाग लेते हैं और मेडल भी जीतते हैं। ऐसे में आप उन मेडल्स को उन्हीं के कमरे में उत्तर दिशा में छोटी सी अलमारी में रख सकते हैं। अगर कमरे में स्पेस कम है तो इसे दीवार पर लगे हुक में भी टांगा जा सकता है।

कमरे में ना हो ये चीजें

अगर आप बच्चे के बेडरूम को भी स्टडी रूम की तरह इस्तेमाल कर रही हैं तो आपको कुछ चीजों को वहां पर रखने से बचना (टाइल्स के वास्तु टिप्स) चाहिए। कोशिश करें कि बच्चे के कमरे में जूते.चप्पल या फिर झाड़ू आदि ना हो। इससे बच्चे की पढ़ाई पर नेगेटिव असर पड़ता है। साथ ही, बच्चा जिस बेड पर सोता है, उसका ध्यान रखना भी बेहद जरूरी है। कभी भी बच्चे के बेड पर ऐसी बेडशीट ना बिछाएं, जिसमें हिसंक पशु-पक्षी की तस्वीर हो।

चंडीगढ़ सिंग्स ने 4 विकेट से आसान जीत दर्ज की

रायपुर। 16 वीं सिक्ख लीग प्रीमियर टूर्नामेंट में सिंह ए पंजाब पटियाला को शुक्रवार को खेले गए मैच में शहीद भाई तारु सिंह फाउंडेशन रायपुर की टीम ने 20 रनों से मात दी। रायपुर टीम के सनप्रीत बग्गा को 28 रन बनाने व 2 विकेट लेने पर मैन ऑफ द मैच के पुरस्कार प्रदान किया गया। दूसरे मैच में खालसा वॉरियर्स नांदेड़ पर चंडीगढ़ सिंग्स ने 4 विकेट से आसान जीत दर्ज की।

आयोजन समिति की ओर से जानकारी देते हुए मुखी त्रिलोचन सिंह काले ने बताया कि पहले खेलते हुए शहीद भाई तारु सिंह फाउंडेशन रायपुर की टीम ने 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 156 रन बनाये। ओपनर

राजबीर सिंह ने फिर आज अच्छी पारी खेली 39 गेंद में शानदार 55 रन बनाये जिसमें 5 चौके व 2 छक्के शामिल रहे। इसके बाद किवनूर 51 रन (37 गेंद) व सनप्रीत बग्गा ने 28 रन (11 गेंद) का सराहनीय योगदान दिया। इंदरप्रीत ने 2 व गोविंद सिंह ने 1 विकेट हासिल किया। सिंग ए पंजाब पटियाला की शुरुआत तो ठीक रही जब ओपनर करमजीत ने 21 रन (25 गेंद) व इंदरप्रीत ने 14 रन(6 गेंद) की पारी खेली। इसके बाद प्रभजोत ने 27 रन, गुरप्रीत ने 25 व सोनू सुदार ने 12 रन बनाये लेकिन 9 विकेट खोकर 20 ओवर में वे 136 रन से आगे नहीं बढ़ पाये और 20 रनों से मैच खो दिया। गुरजोत सिंह ने 3, सनप्रीत व रणदीप ने 2-2 विकेट लिए। सनप्रीत बग्गा मैन ऑफ द मैच रहे। इस मैच के अतिथि इंदरजीत सिंह सलूजा, सेंट्रल बैंक आफ इंडिया छत्तीसगढ़ के जोनल हेड बी आर रामा कृष्णा नायक व आर जे अनिमेष थे।

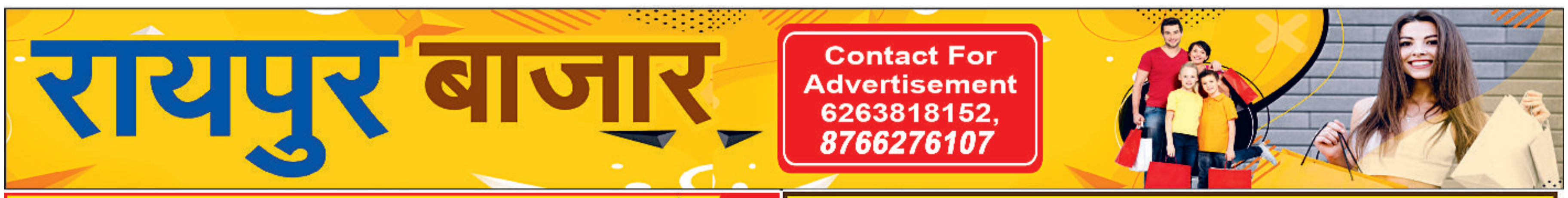

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

सेंसर बोर्ड ने ओपेनहाइमर की गलती से ली सीख, ग्रांट की हेरिटिक को लेकर ये फैसला

जब सिनेमा में धार्मिक देवताओं के चित्रण की बात आती है तो केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड बेहद सतर्क रहता है। हाल ही में सीबीएफसी ने ह्यू ग्रांट की आगामी हॉलीवुड मनोवैज्ञानिक हॉरर फिल्म 'हेरिटिक' को ए सर्टिफिकेट दिया है। हालांकि, सीबीएफसी ने फिल्म में दो कट लगाने के भी आदेश दिए हैं। इसमें हिंदू देवता भगवान कृष्ण के बारे में अनुचित जानकारी वाले सीन को हटाने का आदेश शामिल है। 'हेरिटिक' में भगवान कृष्ण से जुड़े सात सेकंड के डायलॉग और सीन दोनों को सेंसर कर दिया गया है। मिस्टर रीड (ह्यू ग्रांट) को धार्मिक किताबें फेंकते हुए दिखाने वाले आठ सेकंड के सीन को भी हटाने का आदेश है। अनिवार्य कटौती के बाद 'हेरिटिक' को 27 नवंबर को सीबीएफसी द्वारा 'ए' प्रमाणपत्र दिया गया था। इंडस्ट्री से जुड़े एक एक्सपर्ट ने इन कटौतियों पर टिप्पणी करते हुए कहा, 'जब धार्मिक शख्सियतों और देवताओं के बारे में किसी सीन की बात आती है तो सीबीएफसी सतर्क रहता है, खासकर ओपेनहाइमर (2023) प्रकरण के बाद।' क्रिस्टोफर नोलन द्वारा निर्देशित फिल्म में एक विवादास्पद दृश्य में भगवद गीता को दिखाया गया था और जब इसे सीबीएफसी द्वारा पारित किया गया तो इसकी व्यापक आलोचना हुई थी। 'पुष्पा 2: द रूल; की बॉक्स ऑफिस सफलता के बावजूद, दो हॉलीवुड फिल्में अपनी आगामी रिलीज के लिए स्क्रीन पाने में कामयाब रही हैं। एक है एनिमेटेड 'द लॉर्ड ऑफ द रिंग्सः द वॉर ऑफ द रोहिरिम 'और दूसरी है 'हेरिटिक'।

टॉलीवुड

इस मामले में मोहन बाबू ने मांगी माफी, पेश की सफाई

अभिनेता मोहन बाबू इन दिनों अपने घर के संपत्ति विवाद को लेकर सुर्खियों में हीं। इस बीच अभिनेता ने अपने हैदराबाद स्थित आवास पर बीते मंगलवार को एक मीडियाकर्मी पर हमला किया। इसे लेकर मोहन बाबू के खिलाफ केस दर्ज किया गया। पत्रकार पर हमले के बाद मोहन बाबू ने माफी मांगी है। उन्होंने इस संदर्भ में सफाई पेश की है। मोहन बाबू ने अपनी गलती मानते पत्रकार पर हमले की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है और खेद जताया है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य संबंधी तकलीफों के चलते उन्हें जवाब देने में देरी हुई। उन्होंने इस मामले में सभी से धैर्य रखने को कहा है। मोहन बाबू ने गुरुवार 12 दिसंबर को सफाई देते हुए कि कुछ असामाजिक तत्व जबरन उनके घर में घुस आए, जिससे स्थिति बहुत तनावपूर्ण हो गई और वे आपा खो बैठे। उन्होंने पत्रकार को आईं चोट के लिए माफी मांगी। मंचू परिवार का झगडा मीडिया की सुर्खियों में है। अपने घरेलू विवाद के बीच बीते दिनों मोहन बाबू ने पत्रकार रंजीत कुमार के साथ अभद्रता की। विवाद के बारे में पूछे जाने पर मोहन बाबू ने पत्रकार का माइक छीन लिया और अभद्रता करते हुए हमला किया। रंजीत कुमार को अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना में उन्हें तीन फ्रैक्चर हुए हैं। घटना के बाद मोहन बाबू के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। इसे लेकर अब मोहन बाबू ने माफीनामा जारी किया। इस मामले पर बात करते हुए मोहन बाबू के बेटे विष्णु मांचू ने स्पष्ट किया कि यह घटना दुर्घटनावश हुई और अनजाने में हुई। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे घायल पत्रकार रंजीत और उनके परिवार के संपर्क में हैं और उन्हें मदद प्रदान कर रहे हैं।

भोजपुरी

'बहू की विदाई' की शूटिंग पूरी, मेकर्स का दावा- नई ऊंचाइयां देगी यह फिल्म

भोजपुरी फिल्म 'बहू की विदाई' की शूटिंग पूरी हो चुकी है और मेकर्स का कहना है कि यह भोजपुरी सिनेमा को नई ऊंचाइयां देगी। इस फिल्म में रितेश उपाध्याय, प्रीति शुक्ला और देव सिंह हैं।भोजपुरी फिल्म 'बहू की विदाई' की शूटिंग पूरी हो चुकी है। इस फिल्म के मेकर्स का सपना है कि इसके जरिए भोजपुरी सिनेमा को नई ऊंचाइयों पर ले जाया जाए। इस फिल्म को अंशुमन सिंह फिल्म क्रिएशन और मैड्ज मूवी के बैनर तले किया जा रहा है। 'बहू की विदाई' की शूटिंग जौनपुर में की गई है। फिल्म के प्रोड्यूसर विनय सिंह और अंशुमन सिंह हैं, जबकि इसे राज किशोर प्रसाद राजू ने डायरेक्ट किया है। 'बहू की विदाई' के प्रोड्यूसर विनय सिंह और अंशुमन सिंह ने बताया कि फिल्म की कहानी पारिवारिक मूल्यों और सामाजिक मुद्दों पर आधारित है, जो दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़ने के साथ-साथ मनोरंजन का भी अनुभव कराएगी। दर्शकों को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है, और उम्मीद है कि यह फिल्म भोजपुरी सिनेमा को एक नई पहचान दिलाएगी। फिल्म को लेकर न केवल क्षेत्रीय सिनेमा, बल्कि दर्शकों में भी खासा उत्साह देखा जा रहा है। फिल्म के मुख्य कलाकारों में प्रीति शुक्ला, देव सिंह, रितेश उपाध्याय, श्रद्धा नवल, अमित शुक्ला, समर्थ चतुर्वेदी और अनीता रावत शामिल हैं। बाल कलाकार मिराया सहगल हैं। इन कलाकारों ने अपने किरदारों में जान डालने के लिए दिन-रात मेहनत की है।

न्यूयार्क फैशन वीक में पिछले हफ्ते एरिया फॉल-विंटर 2024/25 में मॉडल्स ने एक से बढ़ कर एक कलेक्शन पेश किए। प्योत्रेक पांसजिक के डिजाइन किए गए फर वाले इस ड्रेस को अफ्रीकी मॉडल ने बेहद सलीके से दर्शकों के सामने प्रस्तुत किया। इस कलेक्शन को खूब तारीफ मिली।

दुल्हन के हाथों में खूब जचेंगी ये ज्वेलरी मेहंदी डिजाइन

दुल्हन के हाथों में भरे हुए और बारीक डिजाइन बेहद प्यारे लगते हैं। इंटरनेट में आपको ब्राइड के लिए कई सारे डिजाइन मिल जाएंगे। ये मेहंदी डिजाइन बनाने में भी सिंपल है और दुल्हन के हाथों में जचेंगी भी बहुत। आजकल लोग ज्यादा भरे हुए मेहंदी लगवाना पसंद नहीं करते हैं, उनके लिए ये डिजाइन परफेक्ट है। लंबी और गोरी हाथों में ये डिजाइन बहुत प्यारी लगेगी।

ब्राइड और ब्राइड्समेड दोनों ही इस डिजाइन को लगा सकते रहैं। उंगलियों में बारीक डिजाइन के साथ-साथ कलाई पर बने ये डिजाइन बनाने में भी आसान है, साथ ही रचने के बाद भी खूब जचेंगी। इस डिजाइन को बनाने में ज्यादा वक्त नहीं लगता और हाथों की खूबसूरती भी बढ़ती है।

कलाई, हाथ के बैक साइड और उंगलियों में लगे ये खूबसूरत डिजाइन आपके हाथों की शोभा को बढ़ाएगी। हैवी और बारीक होने के साथ-साथ ये मेहंदी डिजाइन हाथों की बैक साइड के लिए परफेक्ट है। चौड़ी और भरी हुई हथेली में मेहंदी की यह डिजाइन खूब जचेंगी।

हाथों में सिंपल और बारीक मेहंदी के ये डिजाइन खूब जचेंगे। आजकल बारीक और सिंपल मेहंदी डिजाइन बहुत ट्रेंड कर रहा है। ये डिजाइन ब्राइड मेड्स और वर्किंग वुमन दोनों के लिए बेस्ट है। बनाने में भी ज्यादा वक्त नहीं लगेगा और हाथों में भी खूब जचेंगी।

हाथों की बैक साइड में मेहंदी की ये डिजाइन बहुत प्यारी और खूबसूरत लगने वाली है। बैक साइड में लगी मेहंदी हथेली के मुकाबले ज्यादा देखी जाती है, इसलिए आप इस डिजाइन को बैक हैंड के लिए पिक कर सकती हैं। ये ज्यादा हैवी भी नहीं है और मिनिमल लुक के साथ हाथों की खूबसूरती में चार चांद लगा देगी।

शॉल को एक ही तरह से पहनकर हो गए है बोर, तो ट्राई करें जरूरी हैक

सर्दियां शुरू हो गई हैं। ऐसे में हर कोई अलग-अलग तरीके के गर्म कपड़ों को स्टाइल करेगा। लेकिन इसके लिए आपको सही तरीका जानने की जरूरत है। सर्दियों में हर कोई गर्म कपड़े पहनता है। लेकिन सबसे ज्यादा दिक्कत आती है उन्हें अलग-अलग तरीके से स्टाइल करने में। ऐसा इसलिए क्योंकि कई बार तो हम कपड़ों को वैसे ही पहन लेते हैं जैसे हर बार स्टाइल करते हैं।

लेकिन जब बोर हो जाते हैं तो उसे सिर्फ अपनी वॉर्डरोब में ही रखा रहने देते हैं। शॉल के साथ अक्सर हम ऐसा ही करते हैं। इसकी वजह से वो दोबारा इस्तेमाल में नहीं आते हैं। इस बार आपको ऐसा करने की जरूरत नहीं है। हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताएंगे। जिसे ट्राई करके आप शॉल को अलग-अलग तरीके से वियर कर सकती हैं और सबसे अलग नजर आ सकती हैं।

बेल्ट के साथ स्टाइल करें शॉल

बेल्ट को स्टाइल करने का फैशन आजकल काफी ट्रेंड में है। हर किसी को आउटफिट के साथ बेल्ट स्टाइल करना काफी पसंद भी है। इस बार आपको इसे साड़ी के साथ नहीं बल्कि शॉल को स्टाइल करने के लिए पहननी होगी। जिससे आपको ठंड भी न लगे साथ ही आपका लुक स्टाइलिश लगे। इसके लिए आपको सबसे पहले शॉल के दोनों सिरों को गले से आगे की तरफ डालना है। फिर इसमें कमर पर बेल्ट लगानी है। इस तरीके से आप इसे वियर कर सकती हैं। इसे आप चाहे तो कुर्ते के ऊपर स्टाइल करें वरना जींस टॉप के साथ भी ये काफी अच्छे लगते हैं।

श्रग स्टाइल में करें वियर

अगर आपने टॉप की जगह हाईनेक पहनी है और वो प्लेन है तो इसके साथ आप प्रिंटेड शॉल को श्रग की तरह स्टाइल (स्टाइल आउटफिट टिप्स) कर सकती हैं। इसे पहनने के लिए आपको पहले शॉल को तिकोना फोल्ड करना है। अब इसे पीछे नेक से आगे की तरफ लेना है। फिर इसके एक सिरे को कंधे पर पिन करना है। दूसरी तरफ को भी ऐसे ही करना है। इस तरीके से आपका शॉल वाला श्रग बनकर तैयार हो जाएगा।

'ग्रूम्ड मेन' का टाइटल पाने बदलिए लाइफस्टाइल

'ग्रूम्ड मेन' कौन नहीं कहलाना चाहेगा? आप भी ऐसा चाहते ही होंगे। पर इसके लिए आपने किया क्या है? अच्छे से तैयार हो जाते हैं? बस...अगर हां तो कुछ बातें ऐसी हैं जिनके बिना आप 'ग्रूम्ड मेन' वाले रास्ते पर बिल्कुल नहीं चल रहे हैं। ऐसा करने के लिए आपको कुछ खास बातें अपनी लाइफस्टाइल में शामिल करनी होंगी।

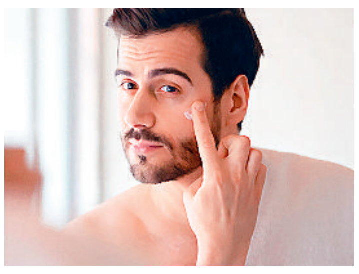

टाइम पर हेयर कट

ज्यादातर पुरुष जब समय मिलता है या फिर जब बालों से दिक्कत होने लगे तब ही बाल कटाने जाते हैं। लेकिन बालों के बढ़ते ही फिर वही रूटीन कि 'ज्यादा बढ़ेंगे तब कटा लेंगे।'ये आदत गलत है। हर पुरुष के ग्रूम्ड लुक के लिए सही समय पर हेयर कट जरूरी है। और ये नियम फिक्स होना चाहिए। आपको फिक्स अपॉइंटमेंट पर हर कुछ दिन में हेयर कट करा ही लेना चाहिए।

आपकी वाली खुशबू

आप पूरी तरह से तैयार हैं और आपसे एक खास तरह की खुशबू भी आ रही है तो आप ग्रूम्ड मेन वाले खांचे में आसानी से फिट बैठ पाएंगे।

इसके लिए आपको अपनी एक खास खुशबू चुननी होगी। आप एक या दो क्लासिक खुशबू चुन सकते हैं। आमतौर पर वुडी, स्पाइसी और हर्बी ब्लेंड जाड़े में अच्छे से काम करता है।

दांतों का रखिए ध्यान

जैसे आपकी आंखें, आपके दिल का हाल कह देती हैं, ठीक वैसे ही आपके दांत भी आपके कैरेक्टर को बयां कर देते हैं। अपनी ग्रूमिंग करने हुए दांत की सफाई में आप कितना समय देते हैं? ज्यादातर लोग कहेंगे कि रूटीन वाली सफाई करते ही हैं। लेकिन दांत अच्छे से साफ करने के लिए आपको इनका ज्यादा ध्यान रखना होगा। रिसर्च कहती हैं इलेक्ट्रिक ब्रश 11 प्रतिशत ज्यादा सफाई करते हैं।

सर्दियों में रखें स्किन का खास ध्यान वर्ना बेजान हो जाएगी आपकी त्वचा

सर्दियों के मौसम की शुरुआत होने के साथ-साथ अब ये साल अपने अंत के करीब है। ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि दिसंबर के महीने की शुरुआत से ही और भी ज्यादा कड़ाके की ठंडी पड़ने वाली है। पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी की संभावना भी जताई जा रही है।

ऐसे में ज्यादातर लोग साल के अंत में अपने परिवार से साथ घूमने का प्लान बनाते हैं। सर्दियों में मौसम में अच्छा होता है और बच्चों के स्कूल की छुट्टियां भी हो जाती हैं। इसके साथ जो लोग कामकाजी हैं, वो भी अपनी सालभर की बची हुई छुट्टियों का इस्तेमाल दिसंबर के महीने में ही करते हैं। अगर आप भी कहीं ऐसी जगह घूमने का प्लान बना रहे हैं, जहां काफी सर्दी होती है तो ये खबर आपके लिए है। दरअसल, ठंड वाली जगहों पर जाने के लिए आपको अपनी त्वचा का ध्यान रखने की काफी ज्यादा जरूरत होती है। आज हम आपको इसी बारे में बताने जा रहे हैं, अगर आप ठंडी जगह घूमने जा रहे तो इन तरीकों को अपनाकर अपनी त्वचा का खास ध्यान रख सकते हैं।

हाइड्रेशन का रखें खास ध्यान

अगर आप किसी ऐसी जगह घूमने जा रहे हैं, जहां पर काफी ज्यादा सर्दी पड़ती है, तो वहां अपनी बॉडी को हाइड्रेटेड रखें। ऐसे में पानी का सेवन कम ना करें। ज्यादा से ज्यादा मात्रा में पानी, हर्बल चाय, सूप आदि चीजों का सेवन करें। इनके सेवन से आपकी त्वचा अंदर से ग्लो करेगी।

कार्नर न्यूज

अपनी लव लाइफ को बेहतर बनाने अपनाएं जरूरी टिप्स

दुबले हैं तो दिक्कत नहीं, इन ड्रेसिंग टिप्स का रखेंगे ध्यान तो मिल जाएगा बेस्ट लुक

दुबलापन आपके लुक को इतना बिगाड़ देता है कि लड़कियां एक नजर भी नहीं देखती हैं तो आपको अपनी ड्रेसिंग में सुधार कर लेना चाहिए। ड्रेसिंग ऐसी होनी चाहिए कि आपका दुबलापन तो छुप ही जाए, आप स्मार्ट भी खूब दिखें। इसके लिए आपको खास ड्रेसिंग टिप्स अजमाने होंगे। इन टिप्स के साथ आप बेहद दुबले होने पर भी बेस्ट लुक पा सकेंगे। लुक बेस्ट होगा तो लव लाइफ भी आगे बढ़ेगी। कैसे होगा ये जानते हैं- स्किनी जींस को कहिए नो दुबले पुरुष अगर स्किनी जींस पहनते हैं तो ये ड्रेसिंग से जुड़ी उनकी सबसे बड़ी गलती होती है। अगर आप दुबले हैं तो स्किनी नहीं बल्कि स्लिम फिट जींस ही पहनें स्लिम फिट जींस से थाई के आसपास थोड़ा चौड़ाई महसूस होती है। स्किनी जींस के साथ बैगी जींस भी न पहनना ही सही निर्णय होता है।

चुनें फुल स्लीव शर्ट

दुबलापन आपका लुक खराब किए देता है तो बहुत अच्छा होगा कि आप शर्ट हमेशा फुल स्लीव वाली ही पहनें। पूरी बांह के साथ आपके दुबले हाथ छुप जाते हैं। आप अपने लुक में बेस्ट दिख पाते हैं क्योंकि आपके सीक जैसे हाथ शर्ट की बांह में छुप जाते हैं। अगर आप फुल शर्ट नहीं पहनना चाहते हैं तो ध्यान रहे कि हाफ शर्ट की बांह हाथों के आसपास फिटेड हो।

अपर बॉडी आउटफिट ज्यादा जरूरी

अपने दुबलेपन के चलते आप अक्सर अपने लुक को लेकर परेशान रहते हैं अपर बॉडी ऑउटफिट बहुत सोच समझकर ही खरीदें। जैसे शर्ट न बहुत टाइट हो न बहुत ढीली। सीने पर तो ये बिल्कुल भी टाइट नहीं होनी चाहिए। साथ ही ये कंधों पर बिल्कुल परफेक्ट फिट होनी चाहिए।

लेयर वाले कपड़े

बहुत दुबले पुरुषों को लेयरिंग वाले कपड़े पहनने चाहिए। इनके साथ दुबलापन काफी हद तक छुप जाता है। बस लेयरिंग करते हुए रंगों के कॉम्बिनेशन और पैटर्न का ध्यान रखें।

गर्मी और सर्दी

गर्मी और सर्दी के समय कपड़ों के फैब्रिक का भी ध्यान रखें। जैसे गर्मी के दिनों में आप डेनिम, फ्लानेल जैसे फैब्रिक के जैकेट चुनिए तो विंटर में बॉम्बर या पफर जैकेट भी ली जा सकती है।